ज्ञानामृत

दूब की तरह छोटे बनकर रहो। जब घास-पात जल जाते हैं तब भी दूब जस की तस बनी रहती है।

▶▶ गुरु नानक

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मप्र और छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

www.vijaymat.com | शहडोल, शुक्रवार, 4 अप्रैल 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 99 | पेज- 08 | मूल्य- ₹ 5.00/-

न्यूज इन शॉर्ट

दीर्घकालिक और अल्पकालिक चुनौतियों के समाधान की योजना बनाये सेना: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों से बदलते भू-रणनीतिक बदलावों और अनिश्चितताओं से भरे वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक और अल्पकालिक चुनौतियों के समाधान की योजना बनाने को कहा है। सिंह ने गुरूवार को यहां सेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा भू-रणनीतिक अनिश्चितताओं और जटिल विश्व स्थिति वैश्विक स्तर पर सभी को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा, " वर्तमान दुनिया एक दूसरे से जुड़ी हुई दुनिया है और ऐसी घटनाएं चाहे हमारे पड़ोस में हो या दूर के देशों में, सभी को प्रभावित करेंगी। हाइब्रिड युद्ध सहित अपरंपरागत और असममित युद्ध भविष्य के पारंपरिक युद्धों का हिस्सा होंगे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को मिले सरकारी कर्मचारी जैसी सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में आंगनबाड़ी कर्मियों का मुद्दा उठाते हुए सदस्यों ने गुरुवार को कहा कि उन्हें सरकारी कर्मचारियों की तरह सुविधाएं देकर उनका मानदेय बढ़ाया जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के जगदम्बिका पाल ने शून्यकाल में यह मुद्दा उठाया और कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को सरकारी कर्मचारी के रूप में माना जाना चाहिए और देश के लाखों आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सरकारी सुविधाएं दी जानी चाहिए। उनका मानदेय बढ़ाकर देशभर में उनके कार्यों को देखते हुए उन्हें सरकारी कर्मचारी माना जाए और गुराजत उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार उन्हें सुविधाएं दी जाए।

ईपीएफओ में दावा निपटान के लिए चेक प्रति की आवश्यकता नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन(ईपीएफओ) ने दावा निपटान प्रक्रिया को सरल बनाते हुए चेक लीफ या बैंक पासबुक की तस्वीर अपलोड करने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है।इसके अलावा यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) के साथ बैंक खाता विवरण जोड़ने के लिए नियोक्ता की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि ईपीएफ सदस्यों के लिए जीवनयापन की सुगमता और नियोक्ताओं के लिए व्यवसाय को आसान बनाने की दिशा में ईपीएफओ ने अपनी दावा निपटान प्रक्रिया में दो प्रमुख सुधार किए हैं। इन उपायों से दावा निपटान की प्रि या में महत्वपूर्ण सुधार आएगा और दावा खारिज होने से संबंधित शिकायतों में भी कमी आएगी। यहां बता दें कि केंद्र सरकार कर्मचारियों के हित में लगातार काम कर रही है।

शेयर बाजार लाल निशान पर बंद, सेंसेक्स 300 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी। अमेरिका की ओर से भारत पर 27% जवाबी टैरिफ लगाने के फैसले पर भारतीय शेयर बाजार के निवेशकों ने गुरुवार को सधी हुई प्रतिक्रिया दी। शुरुआती कारोबार में 800 अंकों तक की गिरावट के बावजूद बेंचमार्क सूचकांक बहुत हद तक रिकवर कर लाल निशान पर बंद हुए। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स 322.08 (0.42%) अंक टूटकर 76,295.36 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी 82.25 (0.35%) अंकों की गिरावट के साथ 23,250.10 के स्तर पर बंद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत सहित दुनिया भर के करीब 60 देशों पर पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा के बाद गुरुवार को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों में 10 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कर्मचारियों को दिलाया भरोसा

कुशल वित्तीय प्रबंधन से कर्मचारियों के हित में करेंगे काम : सीएम मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में डबल इंजन की सरकार जनहितैषी संकल्पों के साथ अग्रसर है। उद्योग-व्यापार से लेकर खेलों तक राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन और नीति आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक विभाग में सुशासन के मूल भाव के साथ गतिविधियों की मॉनिटरिंग जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने शासकीय कर्मचारियों के हित में लगभग 10-15 वर्ष तक पुराने भत्तों की राशि बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके लिए वर्ष 2025-26 के बजट में राशि आवंटित की गई है, जिससे सरकार पर करीब 1500 करोड़ रुपए का व्यय भार आएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर ही अपने अधिकारी-कर्मचारियों की बेहतरी का ध्यान रख पा रही है। उन्होंने कहा कि विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में प्रदेश को प्राप्त हो रही उपलब्धियों का श्रेय अधिकारी-कर्मचारियों को जाता है।

राज्य सरकार के हर विभाग ने अपने-अपने क्षेत्र में श्रेष्ठतम कार्य करने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर अपनी पुरानी देनदारी चुका कर, नई दृष्टि से विकास के पैमानों पर आगे बढ़ रही है। विकास के साथ औद्योगिक गतिविधियों और जन हितैषी कार्यों का विस्तार इन्हीं दृढ़संकल्पों की परिणीती है। राज्य सरकार, प्रदेशवासी और अधिकारी- कर्मचारी एकजुट होकर एक भावना के साथ प्रगति पर अग्रसर हों, इसी मंशा के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मप्र वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डा. सनवर पटेल के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट कर लोकसभा में वक्फ बिल पास होने पर केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार जताया।

उद्योगों से किए गए अपने सभी संकल्पों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पूरे देश में मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने अपनी 7-8 साल पुरानी सारी देनदारी चुकाने का कार्य किया। हमारी सरकार ने एमएसएमई और हैवी इंडस्ट्रीज सहित सभी प्रकार की इकाइयों को गत एक वर्ष में लगभग 5 हजार 225 करोड़ रुपए की राशि देने का काम किया है। हमारी सरकार नवीन पहलों के माध्यम से उद्योगों के लिए निरंतर सकारात्मक वातावरण बना रही है। राज्य सरकार विकास के लिए प्रदेश से जुड़ने वाले उद्योगों से किये गये अपने सभी संकल्पों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर सभी केंद्रीय कोयला कंपनियों की देनदारियों का शत-प्रतिशत भुगतान कर दिया है। जेनरेशन कंपनी के चारों ताप विद्युत गृहों के कुशल प्रबंधन के फलस्वरूप अब तक का सर्वाधिक 11.73 लाख मैट्रिक टन कोयले का भंडारण किया गया है। ताप विद्युत गृहों में उपयोग के लिए कोयला भंडारण का अग्रिम भुगतान भी सरकार की ओर से किया जा चुका है।

बैंकॉक पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन देखा। वे गुजराती नृत्य गरबा और स्थानीय थाई समुदाय के मंत्रोच्चार के भी साक्षी बने। सिख समुदाय ने पीएम मोदी को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर का स्मृति चिह्न भेंट किया। प्रधानमंत्री के आगमन पर जैन समुदाय ने नवजार मंत्र प्रस्तुत किए। इस दौरान उन्होंने भारतीय प्रवासियों से भी मुलाकात की।

बैंकॉक पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बोले-

भारत-थाईलैंड सांस्कृतिक और आध्यात्मिक डोर से जुड़े हैं, बढ़ाएंगे रणनीतिक साझेदारी

बैंकॉक, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड के बीच सदियों पुराने संबंध हैं। ये संबंध हमारी गहरी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक डोर से जुड़े हैं। हमने भारत-थाईलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। पीएम मोदी ने बृहस्पतिवार को थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। जिसके बाद उन्होंने शिनावात्रा के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग पर जोर दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति और इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है।

दिलों और परंपराओं को जोड़ती है रामायण: पीएम मोदी

बैंकॉक में पीएम मोदी ने रामकियेन (थाई रामायण) का मनमोहक प्रदर्शन देखा। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, एक ऐसा सांस्कृतिक जुड़ाव जो किसी और जैसा नहीं था! थाई रामायण, रामकियेन का एक आकर्षक प्रदर्शन देखा। यह वास्तव में समृद्ध अनुभव था, जिसने भारत और थाईलैंड के बीच साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। ' पीएम मोदी ने आगे कहा कि रामायण वास्तव में एशिया के कई हिस्सों में दिलों और परंपराओं को जोड़ती है।

रीवा की नवविवाहिता से दरिंदगी करने वाले आठ हैवान ताउम्र रहेंगे सलाखों के पीछे

विजय मत, ब्यूरो रीवा

रीवा जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र में 6 माह पूर्व हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले ने पूरे प्रदेश को हिलाकर रख दिया था। दरिंदों ने ऐसी घिनौनी वारदात की थी, जिसे सुनकर लोग अंदर तक कांप गए। हर कोई आरोपियों की गिरफ्तारी करके कड़ी सजा देने की मांग कर रहा था। वारदात के दो दिन के अंदर पुलिस ने सभी आठों आरोपियों की गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। तभी से सारे आरोपी जेल में बंद थे। इस मामले को लेकर बुधवार को फैसला आया। सुनवाई के दौरान अभियोजक के तरफ से 24 सबूत कोर्ट में प्रस्तुत किए गए। इसके बाद बाद जिला चतुर्थ अपर सत्र न्यायधीश पद्मा जाटव ने वारदात को अंजाम देने वाले सभी 8 आरोपियों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की कठोर सजा सुनाई। बता दें कि ये जघन्य वारदात 21 अक्टूबर 2024 की हुई थी। दोपहर एक बजे नवविवाहिता अपने पति के साथ गुढ़ थाना क्षेत्र स्थित भैरोबाबा मंदिर में दर्शन करने गई थी। जब दंपती वापस लौटने लगा तो पत्नी ने पति से मोबाइल में तस्वीर कैद करने गुजारिश की। इसके बाद वे एक झरने के समीप चले गए। पति और पत्नी एक-दूसरे की फोटो खींच रहे थे कि इसी दौरान समीप मे ही शराब पार्टी कर रहे बदमाशों की नजर दंपती पर पड़ी। शराब के नशे मे धुत दरिंदों ने पति-पत्नि के साथ मारपीट शुरू कर दी। पति का मोबाइल छीना और उसे बंधक बना लिया। इसके बाद पति के सामने ही नवविवाहिता से सामूहिक दुष्कर्म किया।

खंडवा: गणगौर विसर्जन के लिए कुएं की सफाई करने उतरे आठ की मौत

विजय मत, ब्यूरो खंडवा

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के कोंडावत गांव में गणगौर विसर्जन से पहले कुएं की सफाई करते समय बड़ा हादसा हुआ, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति लापता है। मौके पर पुलिस, प्रशासन और एसडीईआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है। इससे पहले गांव के लोगों ने भी अपने स्तर पर बचाव कार्य शुरू किया। घटना गुरुवार शाम को जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव की है। बताया जा रहा है कि गणगौर विसर्जन के लिए कुएं की सफाई करने ये लोग नीचे उतरे थे। कुएं में बड़ी मात्रा में गाद जमी हुई है, इसी गाद के नीचे सभी के दबे होने की आशंका है। मौके पर दो एंबुलेंस भी पहुंची हैं। बताया जा रहा है कि दोपहर के वक्त कुछ लोग कुएं में उतरे थे, जो शाम तक बाहर नहीं निकले। कौन लोग कुएं में उतरे थे, उनकी पहचान नहीं हो पाई है। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम के साथ ही एसडीईआरएफ का 15 सदस्यीय दल भी मौके पर पहुंच गया है। एक दल रस्सी और जाली लेकर कुएं में उतरा है। फिलहाल डूबने वालों की सर्चिंग की जा रही है।

शहडोल के धनपुरी में लाखों रुपए की नशीली दवाओं के साथ तीन गिरफ्तार

विजय मत, शहडोल

शहडोल जिले की धनपुरी थाना पुलिस ने नशीली सामग्री की तस्करी करने वाले गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से नशीली दवाइयां, मोबाइल, मोटरसाइकिल समेत करीब 2 लाख 15 हजार रुपए का सामान जब्त किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुमित शर्मा (33) पिता लालमणि शर्मा, निवासी वार्ड नं. 5, कटकोना, थाना बुढार, राजकुमार पाल (30) पिता प्रेमदास पाल, निवासी वार्ड नं. 24, कछियान टोला, धनपुरी और सौरभ सिंह बघेल, निवासी शहडोल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सुमित शर्मा और राजकुमार पाल मुक्तिधाम नरगड़ा नाला, धनपुरी के पास अवैध नशीली दवाइयों की बिक्री कर रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक खेमसिंह पेन्द्रो के नेतृत्व में टीम गठित कर दबिश दी गई। इस दौरान टीम ने उनके पास से 14 बोतल कोडीन युक्त कफ सिरप (ओनरेक्स और विन्क्रेक्स) कीमत 2,760 रुपए, एक मोटरसाइकिल और एक स्कूटी जब्त की है। गिरफ्तार किए गए सुमित और राजकुमार पूछताछ के दौरान दोनों बताया कि उन्होंने नशीली दवाइयां सौरभ सिंह बघेल से खरीदी थीं। इसके बाद पुलिस ने शहडोल में सौरभ सिंह बघेल की तलाश की और उसे बाणगंगा मेला ग्राउंड के पास से गिरफ्तार कर लिया।

चीन ने हमारी 4 हजार वर्ग किमी जमीन कब्जाई और विदेश सचिव चीनी राजदूत के साथ केक काट रहे है: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को भारत-चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं सालगिरह के जश्न को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा- चीन हमारे 4 हजार वर्ग किमी इलाके पर कब्जा करके बैठा है, लेकिन मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि हमारे विदेश सचिव (विक्रम मिस्त्री) चीनी राजदूत के साथ केक काट रहे थे। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान राहुल ने कहा- हम सामान्य स्थिति के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उससे पहले हमें अपनी जमीन वापस मिलनी चाहिए। मुझे पता चला कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने चीनी राजदूत को चिट्ठी लिखी है और यह भी हमें दूसरों से पता चल रहा है। चीनी राजदूत भारत के लोगों को बता रहे हैं कि उन्हें चिट्ठी लिखी गई। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बीती 1 अप्रैल को भारत-चीन संबंधों के 75 साल पूरे होने पर भारत में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था।

जजों की बैठक में लिया गया अहम फैसला

सुको के न्यायाधीश सार्वजनिक करेंगे अपनी संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर सहमति जताई है। शीर्ष अदालत में हुई न्यायाधीशों की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सहित 30 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्तियों को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की। सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट के मुताबिक एक अप्रैल को हुई बैठक में जजों ने संकल्प लिया कि न्यायाधीश जब भी पदभार ग्रहण करेंगे या कोई अहम जिम्मेदारी लेंगे तो उनको मुख्य न्यायाधीश के सामने अपनी संपत्ति की घोषणा करनी होगी। अब तक 1997 के एक प्रस्ताव के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति की घोषणा मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी होती थी। 2009 के एक निर्णय में न्यायालय की वेबसाइट पर संपत्ति घोषणा के स्वैच्छिक प्रकाशन की अनुमति दी गई थी, लेकिन सभी न्यायाधीशों ने ऐसा करने का विकल्प नहीं चुना।

अब सुप्रीम कोर्ट के जजों ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक करने पर सहमति जताई। जिन न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति की घोषणा कर दी है, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। घोषणाओं का पूरा सेट सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

रायपुर: जबलपुर बायपास में कार से पकड़ाई 3 करोड़ की ज्वेलरी

विजय मत, ब्यूरो कबीरधाम। जिले में एक कार से 3 करोड़ की ज्वेलरी और 8 लाख नगद मिला है। बुधवार रात पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस ने एक कार को रुकवाकर जांच की तो उसमें 2 लोग सवार थे और गाड़ी के पीछे बड़ी मात्रा में सोना और कैश रखे हुए थे। यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। संदिग्ध व्यक्ति के पास वैध दस्तावेज नहीं होने से पुलिस ने सभी सामान जब्त कर लिया। जब्त सोने की कीमत करीब 3 करोड़ रुपए है। वहीं कार में मौजूद 2 संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दोनों रायपुर के रहने वाले हैं। इस बारे में डीएसपी कृष्ण कुमार चंद्राकर ने बताया, सूचना मिली थी कि रायपुर से कवर्धा की ओर आ रहे एक सफेद रंग की कार में करोड़ों का सोना व नगदी मौजूद हैं, पुलिस की टीम ने रायपुर-जबलपुर बायपास में संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली। बताया जा रहा है कि संदिग्धों ने यह ज्वेलरी कवर्धा के सराफा दुकान में बेचने के लिए आया था।

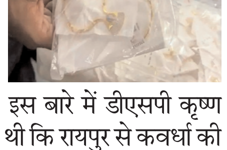

विजय मत एंकर स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग बन रहा बच्चों में वर्चुअल ऑटिज्म का कारण

बच्चों की सेहत के लिए खतरा बन रही मोबाइल और स्क्रीन की लत

बरेली, एजेंसी

स्मार्टफोन, जिसे लोग अपनी रोजमर्रा की ज़िंदगी में इस्तेमाल करते हैं, बच्चों के लिए काफी हानिकारक साबित हो सकता है। आजकल बच्चों के हाथ में 24 घंटे स्मार्टफोन रहता है, जिससे उनका अधिकांश समय मोबाइल पर रील्स देखने में गुजरता है। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब बच्चा मोबाइल के बिना खाना भी नहीं खाता। इस आदत के चलते बच्चों में कई शारीरिक और मानसिक समस्याएं देखने को मिल रही हैं। जिला अस्पताल के मनोचिकित्सा विभाग में इस प्रकार के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मोबाइल और स्क्रीन की लत के कारण बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास प्रभावित हो रहा है, और उनके ऑटिज्म जैसे लक्षण भी दिखाई देने लगे हैं, जिसे 'वर्चुअल ऑटिज्म' कहा जाता है। वर्चुअल ऑटिज्म एक ऐसी स्थिति है, जो आमतौर पर 3 से 7 साल के बच्चों में देखने को मिलती है। आजकल, माता-पिता कम उम्र में ही बच्चों को मोबाइल फोन दे देते हैं, लेकिन यह आदत बच्चों के मानसिक विकास को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। ऐसे बच्चों की उम्र 5 से 10 साल के बीच होती है, और अगर इसका सही समय पर इलाज न किया जाए तो यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

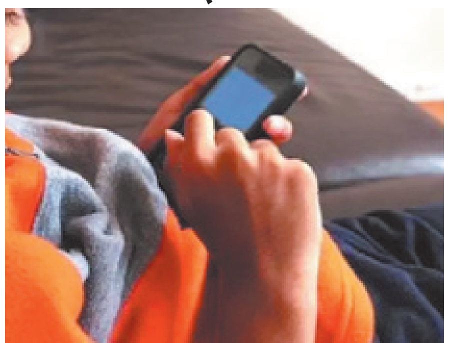

बच्चों में बढ़ रहे वर्चुअल ऑटिज्म के लक्षण

मनोचिकित्सक डॉ. आशीष के अनुसार, जब बच्चों का स्क्रीन टाइम बहुत बढ़ जाता है, तो उनका मानसिक विकास रुकने लगता है। इस स्थिति को 'वर्चुअल ऑटिज्म' कहते हैं, और अब यह समस्या बच्चों में काफी बढ़ गई है। डॉ. आशीष ने बताया कि 50 में से 40 बच्चों में वर्चुअल ऑटिज्म के लक्षण दिखाई दे रहे हैं, और इनमें से कुछ बच्चे गंभीर ऑटिज्म से भी प्रभावित हो रहे हैं।

बच्चों में वर्चुअल ऑटिज़्म से बचाव के उपाय

इस समस्या से बचने के लिए कुछ आसान उपाय किए जा सकते हैं। सबसे पहले, बच्चों के स्क्रीन टाइम को सीमित करें। बच्चे के साथ अधिक से अधिक समय बिताएं और उन्हें किताबों का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। छोटे बच्चों को पिक्चर बुक दें, जिससे वे फोन से दूर रह सकें। इसके अलावा, बच्चों को पार्क में ले जाकर उनके साथ खेलकूद करें और यह सुनिश्चित करें कि बच्चा अपनी पूरी नींद ले।

ट्रंप की घोषणा और आधिकारिक आदेश में दर अलग-अलग

अमेरिका ने भारत पर 26 नहीं 27 प्रतिशत का टैरिफ लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी

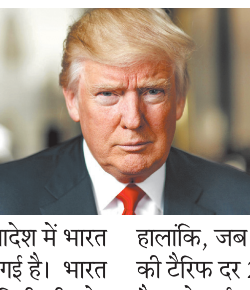

अमेरिका ने भारत पर 26 नहीं बल्कि 27 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी आधिकारिक आदेश इसकी पुष्टि करता है। इससे पहले टैरिफ के एलान के वक्त ट्रंप जिस तख्ती के साथ मीडिया के सामने आए थे। उस पर भारत के लिए 26प्रतिशत टैरिफ का जिक्र था। लेकिन ट्रंप प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक आदेश में भारत के लिए 27प्रतिशत टैरिफ की बात कही गई है। भारत पर बोलते हुए राष्ट्पति डोनाल्ड ट्रम्प ने नई दिल्ली की ओर से जाने वाले टैरिफ को बहुत, बहुत कठोर बताया। उन्होंने कहा, उनके प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) अभी-अभी (हाल ही में अमेरिका से) गए हैं... वे मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं, लेकिन मैंने उनसे कहा कि आप मेरे दोस्त हैं, लेकिन आप हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं। भारत हमसे 52 प्रतिशत शुल्क लेता है, इसलिए हम उनसे इसका आधा शुल्क लेंगे- 26 प्रतिशत। यह फैसला लेना बहुत कठिन रहा। हालांकि, जब ट्रंप की ओर से जारी टैरिफ चार्ट में भारत की टैरिफ दर 26 प्रतिशत बताए जाने से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई, क्योंकि व्हाइट हाउस के आधिकारिक आदेश में 27 प्रतिशत टैरिफ की बात कही गई थी।

पूर्व मुख्यमंत्री की सौगात पर की जा रही लीपापोती

मस्टर कर्मचारियों ने रखी जनसंवाद, जनप्रतिनिधियों सहित नगर की जनता रही मौजूद

विजय मत, अनूपपुर।

राजनगर के ह्दय स्थल भगत सिंह चौक पर फर्जी भर्ती सविलियन के विरोध में 1 अप्रैल 2025 जनसंवाद,प्रेसवार्ता की गई जहाँ इस मामले पर कई जनप्रतिनिधियों ने अपनी प्रक्रिया देते हुये कहाँ की पूर्व मे ग्राम पंचायत में पदस्त अधिकारीयों के साथ ही जिले से लेकर संभाग तक के कुछ अधिकारीयों के सहमति से यह कार्य किया गया। जिसमें जिला, संभाग व अन्य राज्य के लोगों को कूट रचना कर फर्जी दस्तावेज तैयार कर एक,एक परिषद से 50 से 60 अतरिक्त लोगों को समलित किया गया। जिसका विरोध होने पर सम्बंधित विभाग द्वारा जांच भी की गई थी। जिस पर नगर परिषद में किये गए भ्रष्टाचार के इस पुरे मामले पर दोसी पाए जाने पर पूर्व में सम्बंधित विभाग द्वारा कइयों पर कार्यवाही करते हुये कार्य से पृथक किया गया साथ ही शासन की राशि को फर्जी तरीके से सम्बंधित को लाभ दिलाने पर रिकबरी के आदेश भी दिया गया था। जिसकी आज दिनांक तक कोई रिकबरी नहीं हो सकी है।

जिन के करीबी फर्जी भर्ती सविलियन में सम्मिलित उन्होंने बनाई दूरी

राजनगर की धरा डोला, डूंमर कछार, बंनगवा में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान वर्ष 2016-17 में पधार कर नगर की जनता को सौगात के रूप में तीन ग्राम पंचायत को नगर परिषद का दर्जा दिया गया था जहाँ इस सौगात से नगर में पूरी तरफ खुशी का माहौल था. लेकिन कुछ मठाधिसो ने एसा चक्रवियूह रचा की नगर के युवाओ को दर किनार करते हुये अपने सगे सम्बन्धियों को फर्जी भर्ती संविलियन में समलित कर उच्च अधिकारी तक दस्तावेज प्रस्तुत किये. जिसके विरोध में नगर परिषद के मस्टर कर्मचारीयों के द्वारा राजनगर के ह्दय स्थल भगत सिंह चौक पर बैठक रखी गई जहां पर देखा गया कि इस फर्जी भर्ती संविलियन में जिन लोगो के करीबियों को सम्मिलित किया गया था उन सभी ने जनसंवाद,प्रेस वार्ता से अपनी दूरी बनाई रखी इससे यह सब देखा जा रहा है कि कहीं न कहीं इस बड़ी फर्जी भर्ती संविलियन में नगर के बेरोजगार युवाओं के साथ यहां के चिन्हित लोगों के द्वारा ही युवाओं के हक को मारा गया है व भ्रष्टाचार को अंजाम दिया है।

भगत चौक पर आयोजित जनसंवाद एवं प्रेसवार्ता में अध्यक्ष, उपाध्याय सहित कई पार्षद रहें उपस्थित

जनसंवाद के माध्यम से अपनी बातों को रखते हुये जनप्रतिनिधियों ने बताया की नगर में फर्जी तरीके किये गए संविलियन भर्ती कर्मचारियों द्वारा जिस तरह से न्यायालय में गलत तथ्य पेश कर फर्जी भुगतान कराने का प्रयास किया था

उसे लेकर मास्टर कर्मचारी व संविलियन कर्मचारीयों के साथ ही नगर में चर्चा का विषय बना हुआ है। जिस पर राजनगर में जन संवाद एवं प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जहाँ पर मंच के माध्यम से उपस्थित मंचासीन अतिथियों द्वारा नगर में हुये भ्रष्टाचार को लेकर जम कर आवाज उठाई गई कार्यक्रम में समस्त राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों ट्रेड यूनियन के नेताओं एवं आम जनों को आमंत्रित किया गया था।

जनसंवाद व प्रेस वार्ता कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने जन संवाद को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जिस तरह से इस क्षेत्र को सौगात दी थी उससे अधिक काले कारनामे कर संविलियन भर्ती कर माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के साथ साथ सरकार के मंसूबे पर जिम्मेदार लोगों द्वारा पानी फेरा गया है। देश पर आई कोरोना जैसी महामारी में नगर के स्थानीय सविलियन कर्मचारी,मास्टर कर्मचारीयों ने अपनी व अपने परिवार की जान जोखिम में डालकर काम किया। जब की अन्य लोगों ने पुरे कोविड़ काल में दूरिया बना रखी थी।

फर्जी भर्ती सविलियन में प्रशासन द्वारा की गई थी कार्यवाही

अपनी बातों को रखते हुए मंचाशीन जनप्रतिनिधियों ने बताया कि जब पूर्व में इस फर्जी भर्ती सविलियन को लेकर आवाज बुलंद की गई थी जहाँ पूरे प्रकरण की जांच भोपाल स्तर पर कराई गई थी और जांच पर दोषी पाए जाने पर फर्जी संविलियन भर्ती में एसडीएम से लेकर नगरीय प्रशासन में संयुक्त संचालक जैसे बड़े अधिकारी के ऊपर कार्यवाही की गई थी साथ ही उन्हें बर्खास्त भी कर दिया गया था तो यह संविलियन कर्मचारी सही कैसे हो गए। भारत देश में ऐसी कोई ग्राम पंचायत नहीं होगी जहां तीन या चार से अधिक कर्मचारी होते होंगे फिर भी एक-एक नगर परिषदों में 65 से 70 लोगों का संविलियन किया गया जो खुद अपने आप में एक सवालिया निशान खड़ा करता है जिसके लिए हम सभी को एकजुट होकर जन आंदोलन करना होगा और माननीय न्यायलय के सामने सही साझ्य देने होंगे।

इनका कहना है।

नगर पालिका एरिया के सम्बन्ध में हमें कोई जानकारी नहीं है।

तन्मय वशिष्ट शर्मा
जिला पंचायत सीओ अनूपपुर

न्यायालय द्वारा समय दिया गया था अधिकारीयों द्वारा समय पर दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर न्यायालय द्वारा निर्णय दिया गया है हम सभी मस्टर कर्मचारी सही दस्तावेज कोर्ट के समझ प्रस्तुत करेंगे।

योगेन्द्र गुप्ता
दैनिक कर्मचारी नगर परिषद बंनगवा

यूज इन शॉर्ट

महिला सशक्तिकरण से ही राष्ट्र निर्माण संभव

शहडोल। केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल द्वारा आज दिनांक 7 मार्च 2025 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट)के प्रांगण में महिला सशक्तिकरण एवं स्वच्छता पर विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास अधिकारी मनोज लडोकर एवं अध्यक्षता रमाशंकर गौतम प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शहडोल द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में अनिल कुमार श्रीवास्तव वरिष्ठ व्याख्याता, पुष्पेंद्र तिवारी वरिष्ठ व्याख्याता, श्रीमती सुभा राय वरिष्ठ व्याख्याता, श्रीमती प्राची भटनागर वरिष्ठ व्याख्याता, श्रीमती अनामिका मिश्रा व्याख्याता, श्रीमती अभिलाषा मिश्रा सहायक प्राध्यापक एवं केदार प्रसाद मिश्रा शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा अपने उद्गार व्यक्त करते हुए बताया कि जब तक देश की नारी सशक्त नहीं होगी तब तक राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है। प्राचीन समय से ही समाज में बढ़ती कुरीतियों के कारण नारी शक्ति के स्वरूप को उजागर नहीं किया गया परंतु वर्तमान में देश की महिलाओं एवं समाज में बढ़ रही जागरूकता के कारण महिला प्रत्येक क्षेत्र में शिक्षा, तकनीकी, स्वास्थ्य, शासकीय सेवा, व्यापार एवं अन्य क्षेत्रों में अपने हुनर का परचम लहरा रही है समाज की कुरीतियों विपरीत मानसिकता जैसे घरेलू हिंसा, पर्दा प्रथा, दैहिक शोषण, लिंग भेदभाव जैसे अपराध होने के कारण महिलाऐं सशक्त होने में पूर्ण रूप से वंचित रहीं हैं जिससे देश का विकास तीव्र गति से हो पाना संभव नहीं था, आज महिलाओं के लिए भारत शासन द्वारा कठोर कानून बनाए गए हैं एवं महिलाओं हेतु जन कल्याणकारी योजनाऐं संचालित किए जा रहे हैं तथा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिससे देश की महिलाओं बालिकाओं को सम्मान के साथ साथ समान अधिकार प्राप्त हो सके तथा विकसित राष्ट्र निर्माण में सहभागी बन सके।

कार्यक्रम के दौरान अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के मध्य चित्रकला प्रतियोगिताएं रंगोली प्रतियोगिता एवं भाषण प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित की गई एवं विजित प्रतिभागियों को मंचस्थ अतिथियों के करकमलो से पुरस्कार एवं विभागीय प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नेशनल लोक अदालत में हुआ 1288 प्रकरणों का निराकरण

शहडोल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं विशेष न्यायाधीश सुभाष सोलंकी के मार्गदर्शन में दिनांक 08 मार्च 2025 को वर्ष की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय शहडोल एवं सिविल न्यायालय ब्यौहारी, बुढ़ार तथा जयसिंहनगर में किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ माननीय विशेष न्यायाधीश सुभाष सोलंकी द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में मां सरस्वती एवं महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष अधिवक्ता संघ श्री राकेश सिंह बघेल, कुटुम्ब न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश श्रीमती गीता सोलंकी, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश कोल, राजेन्द्र सिंह सिंगार मुख्य न्यायिक मजिस्टेऋ, रूपेन्द्र सिंह मडावी व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, श्रीकृष्ण बुखारिया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऋषभ डॉनल सिंह व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, सुश्री दीप्ती चैहान व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, सुश्री श्वेता यादव व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, श्रीमती अदिति शर्मा, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड, श्री अमित शर्मा जिला विधिक सहायता अधिकारी, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल कुंजबिहारी द्विवेदी, न्यायालय के अधिवक्तागण, पैनल अधिवक्तागण, पैरालीगल वालेंटियर, न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। जिला शहडोल में नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला न्यायालय शहडोल एवं सिविल न्यायालय ब्योहारी बु?ार तथा जयसिंहनगर में कुल 18 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया था। नेशनल लोक अदालत में जिला न्यायालय परिसर में विद्युत विभाग, नगरपालिका, राष्ट्रीयकृत बैंक, बी.एस.एन.एल आदि विभागों के स्टॉल लगाये गये।इस नेशनल लोक अदालत में कुल 1288 प्रकरणों का निराकरण हुआ, इनमें से 861 प्रकरण प्रीलिटिगेशन के थे।

ऐतिहासिक धरोहर को सहेजने वाला संग्रहालय ही न बन जाए इतिहास

चौकीदारों के भरोसे संभाग का इकलौता पुरातत्व संग्रहालय, धूल खा रही प्रतिमाएं, रखरखाव पर ध्यान नहीं

विजय मत, शहडोल।

शहडोल संभाग का महात्मा गांधी स्टेडियम के बगल में एकलौता पुरातत्व संग्रहालय इन दिनों अव्यवस्थाओं का शिकार बना हुआ है, यहां ना तो बेहतर व्यवस्थाएं हैं ना ही लोगों के लिए बेहतर सुविधाएं हैं। बता दें कि एक केयर टेकर कर्मचारी और चपरासियों के भरोसे चल रहा है। यहां स्थाई अधिकारी की पदस्थापना नहीं की गई है। जबलपुर के पुरातत्व विभाग के अधिकारी को प्रभार सौंपा गया है ज्यादातर जबलपुर में ही रहते जो हैं। संग्रहालय की पूरी व्यवस्थाएं कर्मचारी एवं भृत्य ही संभाल रहे हैं, जबकि संग्राहालय में पुरातात्विक धरोहरें यहां-वहां बिखरी पड़ी है। पुरातात्विक महत्व की इन धरोहरों को सहेजने के लिए ही जर्जर हो रहा है। परंतु वह भी ठेकेदार की मनमानी से सुस्त गति से हो रहा है।

प्रशासनिक जिम्मेदारों की अनदेखी

पुरातात्विक संग्रहालय की देखरेख और प्रशासनिक अनदेखी के कारण अब यह संग्रहालय खुद इतिहास बनने को तैयार है। पूर्व में पुरातात्विक स्थल को बेहतर और आकर्षक बनाने के लिए कार्य योजना बनाई गई थी, परंतु जिम्मेदारों द्वारा इस कार्य योजना पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया तथा आज पुरातात्विक स्थल की स्थिति जर्जर है तथा ऐतिहासिक धरोहर बिखरी पड़ी है।

संग्रहालय को समृद्ध करने अब तक कोई खास काम नहीं हुआ

जिले में मौजूद पुरातत्व संग्रहालय में कल्चुरीकाल की सैकड़ों प्रतिमाएं एवं विरासत की अनमोल धरोहरें मौजूद हैं, लेकिन उसे सहेजने की दिशा में ठोस पहल नहीं हो रही। लगभग तीस साल पहले शुरू संग्रहालय को समृद्ध करने अब तक कोई खास काम नहीं हुआ है। हालात यह हैं कि यहां रखे शिल्प कला और डिस्प्ले में दीमक लगने लगे हैं। वर्तमान में संग्रहालय का संचालन जिला पुरातत्व संघ के माध्यम से हो रहा है।

विद्यार्थियों को भी नहीं मिल पा रहा लाभ

महात्मा गांधी स्टेडियम मार्ग में स्थित तीर्थंकर महावीर पुरातत्व संग्रहालय लिए पुराने संग्रहालय के ठीक बगल में बनाया गया करोड़ों रुपये की लागत का नया भवन भी गुणवत्ताहीन होने के कारण जर्जर हो गया था जिस एक फिर मरम्मत कराई जा रही है। इस संग्रहालय में कल्चुरीकाल की सैकड़ों प्रतिमाएं हैं। इन प्रतिमाओं को देखकर इतिहास के विद्यार्थी अपने ज्ञान को बढ़ाते हैं, लेकिन इस समय यहां मार्गदर्शक न होने के कारण इसका लाभ विद्यार्थियों को नहीं मिल पा रहा है। यहां पर प्रतिमाएं धूल खा रही हैं। यहां प्रतिमाओं के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

केयरटेकर और चौकीदारों के भरोसे चल रही व्यवस्था

बता दें कि केयरटेकर और चौकीदारों के भरोसे ही यहां की व्यवस्था चल रही है। पिछले आठ सालों से न तो यहां पर मार्गदर्शक है और न ही कोई सक्षम अधिकारी इसे महत्वपूर्ण स्थल की महत्ता को समझते हुए इसका रखरखाव और इस धरोहर का ठीक से संरक्षण कर सके। वर्तमान में यहां पर पर्यटकों की संख्या बहुत कम हो गई तथा से 30 से 40 लोग ही आते हैं।

संग्रहालय घूमने का लगता है टिकट

जिले में अगर कोई पर्यटक संग्रहालय स्थल घूमने या फिर इतिहास के अनमोल विरासतों को देखने के लिए संग्रहालय जाता है तो वहां उन्हें 20 का टिकट लेना पड़ता है, पर जनजातीय बाहुल्य जिला होने के कारण यहां20 का टिकट लेने के लिए कोई तैयार नहीं होता था अंदर पर्यटक जा नहीं पाते। इससे भी साफ स्पष्ट होता है कि यहां पर्यटकों की संख्या काफी कम होती है।

विवि में मशीन लर्निंग पर विशेष प्रशिक्षण आयोजन

शहडोल। पंडित शंभुनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल के कंप्यूटर साइंस एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा 6 से 11 मार्च 2025 तक फ्इंटरनेट ऑफ थिंग्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग पर एक सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री उषा योजना के अंतर्गत संचालित इस आयोजन में विद्यार्थियों, फैकल्टी सदस्यों एवं टेक्नोलॉजी के प्रति उत्साही लोगों को भाग लेने का अवसर मिल रहा है। कार्यक्रम कुलपति प्रो. राम शंकर, रजिस्ट्रार डॉ. आशीष तिवारी और कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है। सेडमैप के अधिकारियों का भी इस आयोजन में विशेष सहयोग रहा, जिससे प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाया जा सका। प्रशिक्षण के दौरान प्रमुख तकनीकी पहलुओं पर गहन अध्ययन हो रहा है। विभिन्न प्लेटफॉर्म, हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर इंटरफेसिंग और प्रोग्रामिंग पर ध्यान केंद्रित किया गया, डेटा प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग एल्गोरिदम, न्यूरल नेटवर्क और इमेज प्रोसेसिंग की जानकारी दी जा रही है। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने में डॉ. रचना दुबे , डॉ. मनीष तराम और डॉ. मौसमी कर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। श्री अभिज्ञानम गिरी और श्री रोहित कुकेरेजा ने अपने अनुभवों से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। साथ ही, सेडमैप के अधिकारियों का भी इस आयोजन में सराहनीय योगदान रहा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आशा कार्यकर्ता हुईं सम्मानित

शहडोल।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सिविल अस्पताल ब्यौहारी के सभागार में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशा कार्यकर्ताओ को सम्मानित किया गया। जिसमें राजकुमारी सिंह देवरी , सीता रजक खड़हुली, रेखा बैस पपडेरी, माया अखेतपुर,अनिता सिंह के नाम शामिल है तथा निशा साहू पति राम कृष्णा राठौर ब्यौहारी वार्ड क्रमांक 12 को महिला नसबंदी के लिए प्रमाण पत्र दिया गया। इस अवसर पर मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमित प्रकाश चौधरी, डॉक्टर अमरदीप पटेल सहित अन्य चिकित्सक व महिलाएं उपस्थिति रही।

कॉम्बिंग गस्त कर 145 वारंट की तामीली की गई

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल के द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रांतर्गत लंबित वारंटों की अधिक से अधिक तामिली करने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके तारतम्य में 07.03.25 को कॉम्बिंग गस्त कर जिले के समस्त थानांतर्गत शहडोल पुलिस द्वारा कुल 28 स्थाई वारंट एवं 117 गिरफ्तारी वारंट की तामीली की गई है।

दुष्कर्म का आरोपी अमलाई पुलिस की गिरफ्त में

विजय मत, शहडोल।

थाना अमलाई में फरियादी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि उसकी नाबालिग बालिका को कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर भगा लग गया है। जिसकी रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। दौरान विवेचना उक्त बालिका को दस्तयाब कर परिजनों को सुपूर्द किया गया था। बालिका ने पूछताछ में बताया कि, राजेश यादव नाम का व्यक्ति उसे शादी करने का झांसा देकर शहडोल ले गया था एवं उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। जिस पर राजेश यादव के विरूद्ध बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत अपराध में इजाफा कर आरोपी की पता-तलाश की जा रही थी। आरोपी राजेश यादव पिता गोविन्द प्रसाद यादव उम्र 26 वर्ष निवासी कोइलारीनरसरहा डिपो शहडोल से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

अव्यवस्था

बस स्टैंड शहडोल में अव्यवस्थाओं का आलम, ना ही शीतल पेयजल की व्यवस्था, न ही यात्रियों के लिए पंखा की सुविधा

बस स्टैंड परिसर में हो रहा है होटल एवं व्यवसायिक दुकानों का संचालन

विजय मत, शहडोल।

संभागीय मुख्यालय का बस स्टैंड लगातार अव्यवस्थाओं से जूझ रहा है। संभागभर से आने-जाने वालों यात्रियों को प्रतिदिन परेशानियां हो रहीं हैं। परिसर में चारों तरफ कीचढ़ का माहौल बना रहता है। नालियां खुली पड़ी हैं, पंखें बंद हैं यहां तक की यात्रियों की प्यास बुझाने लगा वाटर कूलर भी बंद पड़ा है। स्थानीय दुकानदार और यात्रियों की माने तो उमरिया, अनपूपुर, मंडला, कटनी, रीवा, सीधी, ब्यौहारी, मनेंद्रगढ़, डिंडोरी सहित आसपास के क्षेत्रों से बढ़ी संख्या में यात्री बसें शहडोल बस स्टैंड पर पहुंचती हैं। बस स्टैंड से करीब 300 बसें प्रतिदिन चलती हैं और हजारों यात्रियों का यहां आना-जाना लगा रहता है। व्यस्ततम बस स्टैंड पर अव्यवस्थाएं इस कदर हावी हैं कि लोग पीने के पानी के लिए भी तरसते देखे जाते हैं।

हजारों की संख्या में आ रहे यात्री

नया बस स्टैंड से रोजाना हजारों की संख्या में यात्री विभिन्न स्थानों की ओर यात्रा करते है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि सालों पुराना बस स्टैंड होने के बावजूद भी किसी भी प्रकार की स्थाई पेयजल की व्यवस्था यात्रियों के लिए नहीं है। हालांकि कई बार शहर के लोगों द्वारा बस स्टैंड में पेयजल की व्यवस्था करने की चर्चा जिम्मेदारों से की है। इसके बावजूद जिम्मेदारों ने स्थाई समाधान नहीं किया है।

यात्री शौचालय की नहीं है कोई व्यवस्था

बस स्टैंड शहडोल में पिछले 10 वर्षो से बस एजेंट का कार्य कर रहे कर्मचारियों ने बताया कि यहां हर रोज 200-300 बसें आती हैं। कटनी से लेकर नागपुर, जबलपुर तक जाने वाली बसों में दूर के मुसाफिर भी आते हैं लेकिन शौचालय न होने के कारण खासकर महिलाओं को बहुत ही दिक्कत होती है। यात्री हमसे शौचालय के बारे में पूछते हैं, सुविधा न होने पर व्यवस्था को कोसते हुए लोग यात्रा करते हैं।

निजी बस संचालकों की मनमानी

बस स्टैंड में निजी बस संचालकों की मनमानी का आलम ऐसा है कि यहां बस संचालक निजी गैरिज की तरह लंबे समय तक बसों को खड़ा कर बसों की सफाई और धुलाई का काम किया करते हैं, जबकि नपा और यातायात विभाग द्वारा बस छूटने के पहले आधे घंटे का समय निर्धारित किया गया था, लेकिन यहां दिन रात अपनी मर्जी से बसों का मनमानी संचालन कर रहे हैं। बस स्टैण्ड में अब तक बसों के आने और जाने तथा किराया सूची नहीं होने से यात्रियों को समुचित जानकारी नहीं मिल पा रही है।

बस स्टैंड में यह है विभिन्न अवस्थाएं

- हादसों को निमंत्रण देती खुली पड़ी नालियां।
- पेयजल की समस्या।
- परिसर के में स्वच्छता का अभाव, जहां टाइल्स लगाया गए वह भी उखड़ गए।
- किराया और बस सूची नदारत।
- हैंडपंप भी बिगड़ा।
- अव्यवस्थित पार्किंग।
- ऑटो स्टैंड पर पार्क हो रहीं बसें।
- यात्रियों के लिए यात्री प्रतीक्षालय में अवस्था
- यात्रियों के लिए मातृत्व कक्ष भी नहीं होना
- बजबजा रही नाली
- यात्री प्रतिक्षालय और बस स्टैंड के आस पास खुली और क्षतिग्रस्त नालियों को सुधार कर उनकी पैकिंग कराने का निर्देश नगर पालिका अधिकारी समय-समय पर देते रहते हैं, लेकिन हालात पहले जैसे बने हुए हैं, जिससे बजबजाती नालियों की गंदगी और बदबू से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। वहीं नपा की सफाई व्यवस्था समय समय पर नहीं होने से बस स्टैण्ड में गंदगी आए समय बनी रहती है।

अवैध शराब जप्त

शहडोल। अवैध शराब बिक्री करने कि मुखबिर सूचना पर पुलिस ने कोटमा तिराहा में दबिश देकर आरोपी श्याम किशोर चौरसिया पिता भारत चौरसिया उम्र 30 वर्ष निवासी कोटमा के कब्जे से 06 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 600/- रूपये की मौके पर जप्त की गई। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। अवैध शराब बिक्री करने कि मुखबिर सूचना पर पुलिस ने झिल्ली दफाई धनपुरी में दबिश देकर आरोपी संतोष कोल पिता कल्लू कोल उम्र 22 वर्ष निवासी झिल्ली दफाई के कब्जे से 06 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 600/- रूपये की मौके पर जप्त की गई। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

न्यूज इन शॉर्ट

ब्यौहारी पुलिस द्वारा अवैध खनिज चोरी के विरूद्ध कार्यवाह 2 ट्रैक्टर जप्त

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा अवैध गतिविधियों मे संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही का निर्देश अधीनस्थ स्टाफको दिया जा रहा है उसी क्रम मे ब्यौहारी पुलिस को अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन करने वाले 02 ट्रेक्टर मय रेत लोड ट्राली के जप्त की गई। रात्रि गस्त के दौरान भोगिया तिराहा पास नीले कलर का बिना नम्बर का ट्रेक्टर मय रेत लोड ट्राली के मिला चालक से पूछताछ करने पर अपना नाम राजेश कोल पिता दलबल कोल उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम बरकछ थाना ब्यौहारी का रहना बताया तथा मालिक नवीन गुप्ता निवासी ब्यौहारी के कहने पर झरप नदी बरकछ से लेवरो के मदद से ट्राली मे रेत लोड कराकर बिक्री करने के लिए ब्यौहारी ले जाना बताया उक्त रेत के संबंध कोई दस्तावेज होना नही बताया। जिस पर पुलिस द्वारा चालक के कब्जे से ट्रेक्टर मय रेत लोड ट्राली के जप्त कर आरोपी ट्रेक्टर चालक एवं वाहन मालिक के विरूद्ध बीएनएस. एवं खनिज अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। इसी प्रकार थाना ब्यौहारी में सूचना मिली कि एक ट्रेक्टर मय ट्राली मे लोड रेत सूखा तरफसे ब्यौहारी ले जा रहा है सूचना की तस्दीक पर सी.एच.सी. ब्यौहारी के पास नीले रंग की बिना नम्बर की ट्रेक्टर मिला जिसे रोककर तस्दीक किया जो ट्रेक्टर चालक से पूछताछ करने पर अपना नाम योगेन्द्र कुमार बैगा पिता नरेन्द्र प्रसाद बैगा उम्र 24 वर्ष निवासी भमरहा प्रथम का होना बताया तथा ट्रेक्टर मालिक धीरज सिंह निवासी न्यू बरौंधा के कहने पर नौढ़िया नदी से रेत चोरी कर ब्यौहारी बेचने ले जा रहा था उक्त रेत के संबंध कोई दस्तावेज होना नही बताया। जिस पर पुलिस द्वारा चालक के कब्जे से ट्रेक्टर मय रेत लोड ट्राली के जप्त कर आरोपी ट्रेक्टर चालक एवं वाहन मालिक के विरूद्ध बीएनएस. एवं खनिज अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

केशवाही पुलिस के द्वारा अवैध खनिज रेत परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही

शहडोल। चौकी केशवाही क्षेत्रांतर्गत कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि कठना नदी पकरिहा से एक ट्रैक्टर में अवैध रूप से रेत लोड कर पकरिहा तरफले जाया जा रहा है। सूचना पर केशवाही पुलिस तस्दीक हेतु कठना नदी पकरिहा पहुंचे जहां एक ट्रैक्टर मय रेत लोड दिखा। ट्रैक्टर चालक पुलिस को आता देखकर भागने लगा। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया एवं पूछताछ करने पर उसने अपना सुखीलाल बैगा पिता भैया लाल बैगा उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम पकरिहा का होना बताया। चालक से वाहन एवं रेत के संबंध में दस्तावेज मांगने पर उसने कोई वैध दस्तावेज नही होना बताया। जिस पर पुलिस द्वारा उक्त ट्रैक्टर को मय रेत लोड जप्त कर आरोपी चालक सुखीलाल बैगा एवं वाहन मालिक विष्णुकांत शुक्ला निवासी पकरिहा के विरूद्ध बी.एन.एस., एमव्ही एक्ट एवं खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी केशवाही के नेतृत्व में प्रआर0 रामनरेश यादव, मलिकंठ भटट एवं आर0 महेश पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लोकप्रिय गायिका बाली ठाकरे की प्रस्तुति से गूंजेगा बिरसिंहपुर पाली

उमरिया । उमरिया जिले के बिरसिंहपुर पाली में आयोजित होने वाले बिरासिनी माता के जवारे विसर्जन कार्यक्रम में इस वर्ष भव्य आयोजन किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद पाली के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में लोकप्रिय गायिका बाली ठाकरे अपनी सुमधुर आवाज से भक्तों को मंत्रमुग्ध करेंगी। कार्यक्रम का आयोजन 7 अप्रैल को मेला ग्राउंड में किया जाएगा, जो शाम 8 बजे से शुरू होगा। बिरासिनी माता के जवारे विसर्जन का यह आयोजन प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। इस बार नगर पालिका परिषद ने इसे और भव्य रूप देने के लिए विशेष तैयारियां की हैं। भक्ति संगीत से सराबोर इस कार्यक्रम में बाली ठाकरे की विशेष प्रस्तुति होगी, जो अपनी सुरीली आवाज और भजनों के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी बिरासिनी माता के जवारे विसर्जन के दौरान नगर में विशाल जवारा जुलूस निकाला जाएगा । नगर पालिका परिषद पाली द्वारा इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, यातायात, पेयजल और साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था की गई है। पुलिस बल भी तैनात रहेगा ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो ।नगर पालिका परिषद पाली ने समस्त नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे 7 अप्रैल की शाम 8 बजे मेला ग्राउंड में आयोजित इस भव्य आयोजन में शामिल होकर माता बिरासिनी का आशीर्वाद प्राप्त करें और भक्ति संगीत का आनंद लें।

मनमानी बिना किसी लाइसेंस के गली मोहल्लों में खोले सेंटर, लुट रहे अभिभावक

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के नाम पर लूट

विजय मत, शहडोल।

शहडोल में इन दिनों जिला मुख्यालय में ही नहीं बल्कि छोटे छोटे कस्बों तक में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के नाम पर संचालित कोचिंग संस्थाएं लूट का कारोबार खुलकर करने में जुटी हैं। इनके पास न किसी तरह की अनुमति है और न ही वैध दस्तावेज। बस गली-मोहल्ले के अंदर जहां-तहां इस तरह की कोचिंग धड़ल्ले से संचालित की जा रही हैं। इन कोचिंग सेंटरों को चलाने वाले खुद भले ही एक भी प्रतियोगी परीक्षा अंतिम रूप से पास न कर पाए हाँ, लेकिन ये युवाओं को अपने मायाजाल में फंसाने का हुनर बखूबी रखते हैं।

प्रशासन नहीं दें रहा ध्यान

प्रतियोगी परीक्षाओं में शत-प्रतिशत सफलता दिलाने की गारंटी देकर संचालित हो रहे कोचिंग संस्थानों के खिलाफ प्रशासन किसी तरह की कार्रवाई नहीं कर रहा है। देश प्रदेश में कोचिंग के नाम पर फर्जीबाड़ा किए जाने के अनेक मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे संस्थानों के एक्सटेंशन सेंटर छोटे शहरों में भी होते हैं। इन सेंटरों के माध्यम से प्रतियोगी छात्र-छात्राओं को कर्मचारी चयन आयोग, लोक सेवा आयोग, रेलवे और बैंक जैसे महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं कर श्रेष्ठतम तैयारी कराने का दावा किया जाता है।

वसूली जाती है मोटी रकम

बता दें कि कोचिंग संस्थानों द्वारा अभिभावकों से मोटी रकम भी वसूली जाती है। बच्चों का भविष्य संवारने के लिए अभिभावक अपनी, गाढी कमाई लगा देते हैं, लेकिन बच्चों को पढ़ाने के नाम पर संस्थान एडवांस फीस वसूलकर, कुछ समय बाद गायब भी हो जाते हैं। ऐसे संस्थानों की ओर प्रशासन घ्यान नहीं दे रहा है।

पंजीयन के नाम पर कुछ नहीं, बस हो रहा संचालन

इस आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में ज्यादातर ऐसे कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे जिनका कहीं भी पंजीयन ही नहीं है। इन संस्थानों में *किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था भी नहीं है। इनके पास बहुत योग्य फैकल्टी (पढ़ाने वाले शिक्षक) भी नहीं हैं। ग्रामीण विद्यार्थियों को बड़े-कड़े सपने दिखाकर ये कोचिंग संचालक अपने जाल में फंसा लेते हैं, फिर उनसे मोटी मोटी रकम वसूल कर, उन्हें नाम मात्र की तैयारी कराई जाती है।

फीस वापसी का भी प्नविधान नहीं

जानकारी के अनुसार अगर किसी प्रतियोगी स्टूडेंट को कोचिंग उपयुक्त नहीं लग रही हो, तो उसकी फीस वापसी का भी प्नविधान नहीं है।

सुरक्षा के नहीं हैं इंतजाम

शहर में तमाम ऐसे कोचिंग सेंटर चल रहे हैं जिनमें न तो फायर सेफ्टी सिस्टम है, ना ही पार्किंग व्यवस्था। अनेक कोचिंग में छात्राओं के लिए अलग से प्रसाधन तक नहीं हैं। इतना ही नहीं वहां पीने के पानी और लाइब्रेरी का भी इंतजाम नहीं है। कहीं-कहीं तो तो महज दो कमरों में क्लास लगाकर कमाई की जा रही है। होर्डिंग फ्लेक्स लगाकर, झूठे विज्ञापनों के जरिए अभिभावकों को लूटा जा रहा है।

इनका कहना है

इस मामले की जांच कराने उचित कार्यवाही की जायेगी।

आनंद राय सिन्हा
सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास विभाग शहडोल

शिक्षक राजन सिंह हुए सेवानिवृत्त
विदाई समारोह में भावुक हुआ माहौल

विजय मत, शहडोल।

शिक्षा के पथ पर वर्षों तक अपने ज्ञान और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों का भविष्य संवारने वाले राजन सिंह 31 मार्च 2025 को अपनी अधिवार्षिक सेवा पूरी कर सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर 2 अप्रैल 2025 को शासकीय माध्यमिक विद्यालय, नंदना में भव्य विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

समारोह में विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष कमल प्रताप सिंह, मंडल पदाधिकारी चंद्रेश द्विवेदी, जनपद उपाध्यक्ष, उपसरपंच, डीईओ, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएं और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने अपने प्रिय शिक्षक को भावुक शब्दों में विदाई दी, वहीं सहकर्मियों ने उनके समर्पण और शिक्षा के प्रति उनकी निष्ठा को याद किया। पेंशन एसोसिएशन के महासचिव एवं विकासखंड के संरक्षक महेश प्रसाद द्विवेदी ने उन्हें सम्मान पत्र भेंट कर उज्जवल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम का संचालन मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष लालजी तिवारी ने किया। इस मौके पर श्री राजन सिंह ने अपने संबोधन में कहा, विद्यार्थियों को शिक्षित करना और उनके व्यक्तित्व को निखारना मेरे जीवन का सबसे सुखद अनुभव रहा। मैं सभी साथियों और समाज के प्रति कृतज्ञ हूं, जिन्होंने मुझे यह सम्मान दिया।

उनके विदाई समारोह का माहौल भावुक कर देने वाला था, जहां उनके योगदान को स्मरण करते हुए कई लोगों की आंखें नम हो गईं। शिक्षा जगत में उनकी अनुपस्थिति हमेशा महसूस की जाएगी, लेकिन उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

धान उपार्जन एवं मिलिंग के संबंध में जांच दल गठित

शहडोल। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने जानकारी दी है कि धान उपार्जन एवं मिलिंग के संबंध में जिले में जांच दल का गठन किया गया है जिसमे संबंधित अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी (अध्यक्ष), जिला आपूर्ति नियंत्रक विपिन कुमार पटेल संयोजक तथा उपायुक्त सहकारिता सी.पी. भदोरिया सदस्य, एम.एस. उपाध्याय जिला प्रबंधक एमपीएससीएससी सदस्य, धीरज गुप्ता जिला प्रबंधक एमपीडब्ल्यूएलसी सदस्य ह। जिसमे खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में किसानों से समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान में से गोदामों में से पूर्ण धान जमा न होने एवं मिलर्स द्वारा उपार्जन केन्द्र से सीधे धान उठाव हेतु पोर्टल पर धान परिवहन में छोटे सीमित लोडिंग क्षमता के वाहनों का उपयोग, लंबी दूरी के गंतव्य के लिए वाहन द्वारा एक-दो दिन में कई फेरे लगाना, पोर्टल पर दर्ज वाहन अन्य राज्यों में कार्यरत पाया जाना, मिलिंग, सी.एम. आर. जमा में अनियमितता जैसी अनियमितताएँ प्रकरण प्रकाश में आई है, उक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन एवं मिलिंग हेतु धान परिवहन के संबंध में निम्न बिन्दुओं पर जांच कराये जाने के निर्देश दिए।

प्रभारी प्राचार्य जे एन शर्मा के निधन पर शोक सभा आयोजित

विजय मत, शहडोल।

शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, शहडोल के पूर्व प्राचार्य जे एन शर्मा का 26 मार्च 2025 को दुखद निधन हो गया। उनकी स्मृति में 1 अप्रैल 2025 को शाम 7ः00 बजे शोक सभा का आयोजन वरिष्ठ समाजसेवी केपी महिंद्रा के घर में आयोजित किया गया, जहां गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों एवं समाजसेवियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान

स्वर्गीय जे एन शर्मा प्रभारी पर प्राचार्य एवं एनसीसी ऑफिसर रघुराज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से सेवानिवृत हुए थे । अपने कार्यकाल में उन्होंने शासकीय विद्यालय शहडोल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और अनगिनत विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन से शिक्षा जगत में अपूरणीय क्षति हुई है।

शोक सभा एवं श्रद्धांजलि

शोक सभा में उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उपस्थित जनों ने कहा कि श्री शर्मा का योगदान सदैव

स्मरणीय रहेगा और उनकी शिक्षाएं आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेंगी।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से के. पी. महिंद्रा, अशोक खरे, रवि करण त्रिपाठी, के. डी. सोनी, आर. एल. गर्ग, प्रद्युम्न सिंह, रविकांत शुक्ला, एस. के. पांडे, राघवेंद्र शुक्ला, राकेश यादव, सचिन मेहरा, रामनरेश सेन, आर. के. मिश्रा, अनुराग तिवारी, के. पी. मिश्रा आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।शोक सभा का आयोजन वरिष्ठ समाजसेवी एवं मध्य प्रदेश निगम कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष रवि करण त्रिपाठी के नेतृत्व में किया गया।

समाज के लिए अपूरणीय क्षति

श्री शर्मा के निधन पर समस्त पेंशनर एसोसिएशन, प्रबुद्ध नागरिकों एवं उनके सहयोगियों ने गहरा शोक व्यक्त किया। सभी ने मिलकर भगवान शिव से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

जल को बचाये, जीवन का बचाये

शहडोल। जल को बचाएं जीवन को बचाएं जब तक जल सुरक्षित है तब तक कल सुरक्षित है गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में 30 जून 2025 तक जल को सहेजने, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के समस्त जनपद पंचायत के ग्राम पंचायतो में जल गंगा संवर्धन अभियान में लोगों ने उत्साह एवं उमंग के साथ जल का महत्व समझते हुए श्रमदान कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं और जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संदेश दे रहे हैं। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला शहडोल के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम बरेली में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक द्वारा जल का महत्व बताने हेतु चौपाल लगाई गई। चौपाल में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय ने जल का महत्व बताते कहा कि जल जीवन का मूल आधार है। यह न केवल पीने के लिए आवश्यक है।

शिकायतों को समझें तथा संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें

सीएम हेल्पलाईन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए

विजय मत, शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की उपस्थिति में आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सीएम हेल्पलाईन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को गंभीरता से लें तथा समयावधि में शिकायतों का निराकरण करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता से

बात करें, शिकायतों को समझें तथा संतुष्टिपूर्वक निराकरण करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में शिकायतों का निम्नगुणवत्ता के साथ निराकरण न हो। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में आने वाली शिकायत अनअटेन्ड न रहे। आने वाली शिकायतों को अधिकारी प्राथमिकता के साथ पढ़ें एवं निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।बैठक में कलेक्टर ने लोकसेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आने वाली शिकायतों की भी समीक्षा की तथा कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोकसेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने खाद्य विभाग अधिकारी से धान खरीदी की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि हैं कि धान खरीदी के बाद भुगतान प्रक्रिया को लंबित न करें। उन्होनें निर्देश दिए हैं कि धान खरीदी के बाद भुगतान की प्रक्रिया को शीघ्रता के साथ सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, कृषि विभाग, ऊर्जा विभाग,जल संसाधन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, वित्त विभाग, सहकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की भी समीक्षा की एवं आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर अरविंद शाह, सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नवरात्रि **इन दिनों नवरात्रि पर्व की धूम है, माता रानी की जगह -जगह पूजा अर्चना की जा रही**

पंचमी के दिन स्कंद माता की हुई पूजा अर्चना

विजय मत, उमरिया।

जिला मुख्यालय सहित नौरोजाबाद, पाली, मानपुर, चंदिया सहित ग्रामीण अंचलों में इन दिनों नवरात्रि का पर्व की धूम है। जहां एक ओर माता की पूजा अर्चना की जा रही है वहीं दूसरी ओर धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन किया जा रहा है। नवरात्र की पंचमी पर मां स्कंद माता की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। नवरात्रि पर सुबह से ही भक्तों का तांता मंदिरो में उमड़ रहा है। बिरसिंहपुर स्थित मां विरासिनी धाम मंदिर में प्रातः काल से ही भक्तों का जन सैलाब उमड़ता है। इसी तरह नौरोजाबाद के उंचेहरा धाम में भी ज्वालामुखी माता के दर्शन के लिए भक्तों की भीड उमड रही है। ऐसी मान्यता है कि ज्वालाधाम मंदिर में विराजी मां ज्वालामुखी माता के दर्शन मात्र से ही भक्तों के सारे दुख दर्द दूर हो जाते है। यही कारण है कि यहां बडी संख्या में भक्त गण मंदिर पहुंचते है और माता की विधि विधान से पूजा

अर्चना करके परिवार के सुख समृध्दि की कामना करते है। इसी प्रकार चंदिया स्थित मां चंडिका मढ़लिन मंदिर में भी भक्तों का तांता उमड रहा है। शक्ति में भक्ति का पर्व पर श्रध्दालुओं व्दारा नौ दिनों का उपवास भी रखा जा रहा है।

जिले के बिरसिंहपुर पाली में आयोजित होने वाले बिरासिनी माता के जवारे विसर्जन कार्यक्रम में इस वर्ष भव्य आयोजन किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद पाली के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में लोकप्रिय गायिका बाली ठाकरे अपनी सुमधुर आवाज से भक्तों को मंत्रमुग्ध करेंगी। कार्यक्रम का आयोजन 7 अप्रैल को मेला ग्राउंड में किया जाएगा, जो शाम 8 बजे से शुरू होगा। बिरासिनी माता के जवारे विसर्जन का यह आयोजन प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। इस बार नगर पालिका परिषद ने इसे और भव्य रूप देने के लिए विशेष तैयारियां की हैं। भक्ति संगीत से सराबोर इस कार्यक्रम में बाली ठाकरे की विशेष प्रस्तुति होगी, जो अपनी सुरीली आवाज और भजनों के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी बिरासिनी माता के जवारे विसर्जन के दौरान नगर में विशाल जवारा जुलूस निकाला जाएगा । नगर पालिका परिषद पाली द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, यातायात, पेयजल और साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था की गई है। पुलिस बल भी तैनात रहेगा ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। नगर पालिका परिषद पाली ने समस्त नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे 7 अप्रैल की शाम 8 बजे मेला ग्राउंड में आयोजित इस भव्य आयोजन में शामिल होकर माता बिरासिनी का आशीर्वाद प्राप्त करें और भक्ति संगीत का आनंद लें।

चंदिया में देवी जागरण 7 अप्रैल को

चंदिया स्थित मां चंडिका मढ़लिन मंदिर के जवारों का विसर्जन 7 अप्रैल को सायं 4 बजे से आयोजित किया गया है। इस अवसर पर देवी जागरण कार्यक्रम रात्रि 8 बजे से आयोजित किया गया है। देवी जागरण कार्यक्रम में इशरत जहां मुंबई व्दारा देवी गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। भंडारे का आयोजन 8 अप्रैल को किया गया है। मां चंडिका सेवा परिवार ने चंदिया ने अधिक से अधिक संख्या में देवी जागरण कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है।

श्री रामनवमीं के पवित्र अवसर पर प्राकट्य पर्व 6 अप्रैल को

विजय मत, उमरिया।

जिले में श्री रामनवमीं के पवित्र अवसर पर प्राकट्य पर्व 6 अप्रैल को सायं 7 बजे से मंगल भवन परिसर में आयोजित किया जाएगा । जिसमें सांस्.तिक स्वरूपों में श्रीराम की महिमा दिखेगी । संचालक, संस्.ति डॉ. पूजा शुक्लां ने बताया कि मध्यप्रदेश के छह प्रतिष्ठित स्थलों पर श्रीरामनवमीं के पवित्र अवसर पर प्राकट्य पर्व के आयोजन का उद्देश्य आम जन को सांस्.तिक स्वरूपों में श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों का आस्वादन और भगवान राम के सम्बन्ध में पौराणिक मान्यताओं से परिचित कराना है।

जिला मुख्यालय उमरिया स्थित मंगल भवन परिसर में श्री मुनीन्द्र कुमार मिश्रा एवं साथी, शहडोल द्वारा बघेली लोकगायन, इसके बाद सुश्री अवंतिका दुबे एवं साथी, खजुराहो द्वारा नृत्य नाटिका राम आरंभ की प्रस्तुति और अंत में श्री गिरीश ठाकुर एवं साथी, सिवनी और सुश्री मुस्कान चौरसिया एवं साथी, बालाघाट द्वारा भक्ति गायन की सभाएं सजेंगी। यह पर्व मध्यप्रदेश शासन, संस्.ति विभाग द्वारा जिला प्रशासन - अनूपपुर, पन्ना, सतना, निवाड़ी, शहडोल, उमरिया के सहयोग से श्रीरामनवमीं के पवित्र अवसर पर एक दिवसीय प्राकट्य पर्व का आयोजन 6 अप्रैल को मध्य प्रदेश के छह प्रतिष्ठित स्थलों पर एक साथ सायं 7 बजे से किया जाएगा। सभी स्थलों पर सांस्.तिक स्व रूपों में श्रीराम की महिमा दिखेगी। कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क रहेगा। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने प्राकट्य पर्व के आयोजन हेतु नोडल अधिकारी एवं उनकी सहायता के लिए अन्य अधिकारियों की डयुटी लगाई है । आपने कार्यक्रम के आयोजन की समीक्षा करते हुए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

ट्रंप के टैरिफ का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखेगा जल्द असर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ मामले में जो कहा वह करके दिखला दिया है। इसे लेकर दुनियां के अनेक देश दोस्ती और दुश्मनी वाला फार्मूला तलाशने में लग गए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप के टैरिफ से किसे क्या नुक्सान और क्या फायदा होगा, लेकिन इतना तो तय है कि ट्रंप ने एक बार फिर अपनी व्यापारिक नीतियों से वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। हाल ही में उन्होंने चीन, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत कई देशों पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। चीन पर 34 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा, भारत से अमेरिका में आयात होने वाले सामानों पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की घोषणा की गई। ट्रंप का कहना है कि यह कदम अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है। जहां तक भारत की बात है तो ट्रंप ने यहां के लिए 26 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करते हुए दावा किया कि भारत अमेरिकी आयात पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। हालांकि, भारतीय व्यापार नीति और अमेरिकी निर्यात पर लगाए गए करों का विश्लेषण करने पर यह आंकड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। इसलिए यदि यह कहा जा रहा है कि ट्रंप की यह नई घोषणा भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को प्रभावित कर सकती है, तो गलत नहीं है। देखने वाली बात तो यह भी है कि जिस तरह से ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको को लेकर बयान दिए थे, उसके बाद यही कहा जा रहा था कि इन देशों पर सौ फीसद टैरिफ लगाया जा सकता है, लेकिन इसके उलट व्हाइट हाउस ने कनाडा और मैक्सिको को इस टैरिफ से छूट दे दी। इसकी वजह इन दोनों देशों के साथ अमेरिका के मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते लागू होने को बताया जा रहा है। मतलब यह हुआ कि ट्रंप बयान कुछ देते हैं और नीति कुछ और लागू करते हैं, जिसका उदाहरण ये दो देशों को टैरिफ से छूट और भारत को दोस्त बताने के बावजूद टैरिफ में शामिल करना है। इस स्थिति में ट्रंप के अन्य देशों पर लगाए गए नए शुल्क वैश्विक व्यापार पर महत्वपूर्ण असर डालने वाले साबित हो सकते हैं, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था अस्थिर हो सकती है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद, वक्फ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित

किशन सनमुखदास भावनानीं

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लोकतंत्र के मंदिर रूपी संसद व उच्च सदन राज्यसभा में किसी महत्वपूर्ण विधेयक पर बहस कर उसमें संशोधन से लेकर वोटिंग तक पर पूरी प्रक्रिया को भारत सहित पूरे विश्व नें ध्यान से देखा व सुना है, जिसमें महिला आरक्षण विधेयक बिल, जीएसटी बिल, आर्टिकल 370 बिल सहित अनेकों बिलो को हमने लोकसभा के दोनों सदनों से पास होते हमने देखा है। आज यह चर्चा हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि आज अर्ली मॉर्निंग करीब 4 बजे तक मैंनें करीब 16 घंटे लगातार वक़्फ़ (संशोधन) बिल 2025 की पूरी बहस, वोटिंग प्रक्रिया व अमेंडमेंट पर वोटिंग प्रक्रिया पर पर मैं नजर रखी। मैंने लगातार 16 घंटे संचार माध्यमों से जुड़ा रहा, क्योंकि ऐसे विषय पर लाइव देखकर रिपोर्टिंग बनाना मेरी रुचि रही है। मैंने देखा कि विपक्ष व पक्ष के सदस्यों ने ध्रुवीकरण बोलने पर विशेष ध्यान दिया विपक्ष के नेताओं ने ध्रुवीकरण पर आरोप प्रत्यारोप लग रहे थे बहस के दौरान मैंने एक बात देखी कि एक सदस्य वाली पार्टी को भी बोलने का अधिकार दिया गया था, जिसमें चंद्रशेखर, पप्पू यादव, असदुद्दीन ओवैसी भी शामिल थे। ओवैसी साहब ने बिल को फाड़ने की बात तो की,लेकिन बिल को फाड़ नहीं पाए बल्कि दो भागों को स्टेपलर की पिन खोलकर अलग किया। वक़्फ़ (संशोधन) विधेयक, 2025 रात 1.56 बजे लोकसभा में पारित हुआ। विधेयक पर 1 घंटे 50 मिनट तक वोटिंग चली। विधेयक के समर्थन में 288 वोट पड़े, जबकि विरोध में 232 वोट पड़े। अनेक संशोधन में एक संशोधन पर इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से मतदान के बाद कुल 464 वोट दर्ज किए गए। विधेयक के पक्ष में 273 और विरोध में 191 मत पड़े। शुद्धि के बाद स्पीकर ओम बिरला आधिकारिक आंकड़ों का एलान करेंगे। लोकसभा संसद सदस्यों द्वारा दिए गए संशोधन में सबसे महत्वपूर्ण संशोधन बोर्ड में शामिल होने वाले 11 गैरमुस्लिम सदस्यों वाला संशोधन 288 के मुकाबले 231 मतों से गिर गया, यानि अब गैरमुस्लिम सदस्य बोर्ड में शामिल होंगे।वक़्फ़ (संशोधन) बिल 2025 आज ही उच्चसदन यांने राज्यसभा में पेश होगा उम्मीद है बहस के बाद इस सदन में भी वक़्त (संशोधन) बिल 2025 पारित हो जाएगा ऐसा मेरा मानना है। चूँकि संसद में 12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद वक़्त संशोधन बिल 2025 लोकसभा से पारित हो गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेइस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वक़्फ़ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई, अंजाम तक आई। लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 232 के मुकाबले 288 मतों से यह बिल पारित किया गया तथा आज 3 अप्रैल को ही राज्यसभा सदन में भी पारित कर दिया जाएगा ऐसी संभावना है। साथियों बात अगर हम वक्फ बिल पर लोकसभा में बहस के के बाद जेपीसी के अध्यक्ष द्वारा जवाब देने की करें तो उन्होंने कहा यदि बीजेपी चाहती तो इस विधेयक को सीधे संसद में पास करा सकती थी, लेकिन सरकार ने इसे जेपीसी को भेजने का फैसला किया ताकि अन्य दलों के साथ विस्तृत चर्चा हो सके।

उन्होंने कहा कि यह सरकार की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता को दिखाता है कि उसने बिना किसी जल्दबाजी के इस विषय पर व्यापक विमर्श किया।उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को फाड़ने की बात को असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि ओवैसी इस बिल को असंवैधानिक बता रहे हैं, लेकिन असली असंवैधानिक हरकत तो उन्होंने खुद की है। पाल ने लोकसभा में कहा कि संसद में इस तरह से विधेयक को फाड़ना लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का अपमान है और यह संसदीय मर्यादाओं के खिलाफ है। साथियों बात अगर हम 2 अप्रैल 2025 को हुए बिल पर चर्चा का जवाब रात्रि 12 बजेअल्पसंख्यक विभाग के मंत्री द्वारा जवाब देने की करें तो उन्होंने कहा, सरकार ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। इसपर आधी रात तक लगभग 12 घंटे तक चर्चा हुई। अब सदन में वोटिंग हो रही है। पक्ष ने जहां बिल का समर्थन किया तो विपक्ष ने जोरदार हमला बोलते हुए इसे मुस्लिमों को हाशिए पर धकेलने वाला बताया। बिल पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने वक्फ कानून में बदलावों के जरिए इसे अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया था, इसलिए इसमें नए संशोधनों की जरूरत पड़ी। गौरतलब है कि लोकसभा में संख्याबल के हिसाब से एनडीए की स्थिति मजबूत है, जिसके पास 294 सांसद हैं, जबकि बिल पास करने के लिए 272 वोटों की जरूरत है। साथियों बातें कर हम विधेयक का विरोध करने की करें तो, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ बिल पर बहस के दौरान कहा, इस बिल का असली मकसद मुसलमानों को जलील करना है। सरकार हमारे वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा जमाना चाहती है और हमारे धार्मिक अधिकार छीनना चाहती है। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने सदन में कहा कि मैं इस बिल को फाड़ता हूं। उन्होंने इसे अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों पर सीधा हमला बताया और कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन करता है। संसद में मदनी वक्फ संशोधन बिल पेश किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जमीयत उलमा-ए- हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असअद मदनी ने कहा कि संसद में पेश किया गया वक्फ से संबंधित यह बिल असंवैधानिक है और मूल अधिकारों का उल्लंघन करता है। सरकार अपनी संख्यात्मक बहुमत के बल पर इसे पारित कराने की कोशिश कर रही है।यह रवैया बहु संख्यकवादी मानसिकता पर आधारित है और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। इस बिल को जबरन संसद में लाया गया है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीनना है, जो किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। जिस तरह से यह बिल तैयार किया गया है और जिस मंशा व रवैये के साथ इसे पेश किया जा रहा है, वह मुसलमानों के खिलाफ एक नकारात्मक रुख को दर्शाता है। उन्होंने कहा,हम पहले ही कह चुके हैं कि पुराने कानून में सुधार की जरूरत थी, लेकिन इसके बजाय सरकार ने ऐसे संशोधन पेश किए हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

> बहस पूरी हो जाने के बाद जेपीसी अध्यक्ष ने उसका जवाब दिया, फिर अंत में अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री ने बहस का जवाब दिया। मैंने महसूस किया कि पक्ष और विपक्ष दोनों ही पूरी तैयारी के साथ बहस में शामिल होने,बहस की प्रक्रिया हो जाने के बाद माननीय सदस्यों द्वारा 100 से अधिक संशोधनों जो दर्ज कराए गए थे, उसमें तीन संशोधन की वोटिंग मशीन से वोटिंग हुई व बाकी 100 से अधिक संशोधनों को ध्वनि मत से जिसमें करीब-करीब विपक्ष के सभी संशोधन खारिज कर दिए गए। विशेष बात यह रही कि मैं पिछले 10-12 सालों में मैंने रात्रि 2-3 बजे तक संसद चलने और विधेयक पारित होने की प्रक्रिया नहीं देखी थी।

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वही संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा। यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

> पंडित माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म 4अप्रैल 1889को मध्य प्रदेश के बाबई में हुआ था। इनके पिता का नाम नंदलाल और मां का नाम सुदरबाई था। चतुर्वेदी जी के बचपन में ही उनके पिता का निधन हो गया था। फलत बाल्यकाल के उन सुहाने दिनों से वंचित हो गए, खेलने खाने की आयु में उन्हें संघर्ष का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने जीवन काल में कभी भी संघर्ष से मुंह नहीं मोड़ा। वे अध्यापक के पुत्र होने के कारण सन 1914-15में खंडवा के प्रायमरी स्कूल के अध्यापक बने। उन्होंने गांव देखा।

प्रखर पत्रकार माखनलाल चतुर्वेदी

मुकेश तिवारी

हम सिर्फ इस गौरव की अनुभूति कर सकते हैं। जो मध्य प्रदेश में रहने वाले नागरिकों को होना चाहिए। यहां पर माखनलाल जी जैसे महापुरुष ने जन्म लिया और अपने संपूर्ण जीवन में संपूर्ण मानव की आकृति कैसी होती है उसका प्रत्यक्ष दर्शन कराया। वैसे तो स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस देश में पृथक-पृथक हिस्सो में बड़े-बड़े महापुरुषों ने अपना योगदान दिया और उन सबके जीवन से हम चिर परिचित हैं। लेकिन यदि मैं यह कहूं कि माखनलाल जी ने साहित्य और स्वतंत्रता संग्राम का संबंध कितना करीब का हो सकता है और वह एक दूसरे के प्रेरक हो सकते हैं। शायद इतना सुंदर समन्वय और और किसी महापुरुष के जीवन में हमें उस दौरान नहीं मिलेगा और यही वजह है कि जहां स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बीच में उनका एक विशिष्ट और महत्वपूर्ण स्थान है। वहीं पर साहित्य जगत में शायद उनसे भी ज्यादा विशिष्ट और महत्वपूर्ण स्थान उनका है।

जमींदारों द्वारा लुटतीं फसलें देखी गरीबी देखी ही नहीं,भोगी भी। अपने समय की ललकार और चुनौतियों को भी उन्होंने सुना, उन्होंने विद्यार्थीयो को सिर्फ पाठ्यक्रम में शामिल पुस्तक ही नहीं पढाई , बल्कि स्वदेश मुकित का पाठ भी पढ़ाया। उनके पढ़ाए विद्यार्थी काफी बड़ी संख्या में राष्ट्रीय कार्यकर्ता बनकर देश भर में बिखर गए। जो प्रतिभा संपन्न थे। वे कवि ,लेखक और पत्रकार बन गए। उनकी अध्यापिकी के क्या कहने उन्हें वेतन मिलता था सिर्फ सात रुपए। लेकिन वेतन लेकर घर लौटते लौटते कुछ आने बच जाए तो बहुत बड़ी बात होती थी। विद्यार्थी उनके कपड़े तक उनसे मांग कर ले जाते थे। ऐसी स्थिति में कभी-कभी तो वे स्कूल में शाल ओढ लेते थे। अक्सर घर लौटते समय वह भी नदारद मिलती थी। वह अपने लिए कभी भी किसी से कुछ नहीं मांगते थे। धन एकत्र करना उनका लक्ष्य नहीं था। वह असमर्थ साहित्यकारों और दीन हीन विद्यार्थियों के लिए किसी से कुछ भी मांग सकते थे। कैसा ट्यूशन?उस दौर में इसका चलन भी नहीं था। माखनलाल जी छात्रों को अपने घर पर निशुल्क पढ़ाया करते थे। दद्दा जेल तो 1921और 1930मे ही ग ए। 1921 में सी क्लास में रहे और 1930 में बी क्लास में। लेकिन वे महाकौशल से असहयोग आंदोलन में जेल जाने वाले वे पहले सत्याग्रही थे। और 31 वर्ष की अवस्था में एक सफल लेखक, पत्रकार और ओजस्वी वक्त के रूप में काफी शोहरत हासिल कर ली थी। उनसे अंग्रेजी सरकार डर गई थी। 1921 में सिर्फ तीन सत्याग्रही जेल गए, महात्मा भगवान दीन, पंडित सुंदरलाल और दादा माखनलाल चतुर्वेदी ,महात्मा जी नागपुर के माने जाते थे। पंडित जी सुंदरलाल उत्तर प्रदेश से आए थे। सिर्फ दादा माखनलाल चतुर्वेदी ही ऐसे थे जो महाकौशल के भूमिपुत्र और सही मायने में जनता के आदमी थे। इसलिए उनके जेल जाने और सी क्लास की यातनाए सहने से एक इतिहास बन गया। 1921 का जेल और वह भी सी क्लास है। एक ऐसे तरुण के लिए जो कुछ समय पहले मरणासन्न हो चुका था और बड़ी मुश्किल से उसे बचाया गया था। बिलासपुर जेल ने उन्हें हमेशा के लिए रोगी बना दिया। वे शायद अपनी ही पंक्तियों को दोहराते हुए जेल की मियाद रस्सी बुनते हुए पूरी करते रहे।

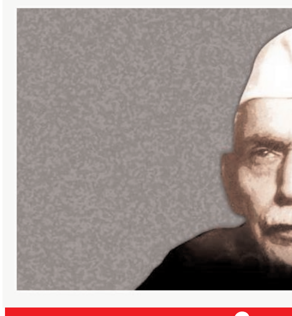

जयंती पर विशेष

बाद में वे अध्यापिकी छोड़ कर खंडवा से प्रकाशित होने वाली पत्रिका प्रभा के संपादक बन गए थे। 1920में रायपुर के पं माधवसप्रे और कटनी के पं विष्णु शुकला ने जबलपुर से कर्मवीर नामक राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र को प्रकाशित करने की योजना बनाई और उसके संपादक के लिए उन्होंने पंडित माखनलाल चतुर्वेदी को चुना। चतुर्वेदी जी कलेक्टर के पास जब कर्मवीर के प्रकाशन की अनुमति लेने गए तो कलेक्टर ने उनसे कहा दद्दा प्रदेश में हिंदी और अंग्रेजी के समाचार पत्र प्रकाशित हो ही रहे हैं तो नवीन समाचार पत्र के प्रकाशन की आवश्यकता क्यों हो रही है। चतुर्वेदी जी ने बिना किसी हिचकिचाहट के निर्भीकता से कहा कि आप जिन समाचार पत्रों का जिक्र कर रहे हैं। वे तो जी हुजूरी वाले समाचार पत्र है। उनमें जनता की आवाज सुनाई नही देती। कलेक्टर ने इतना सुनते ही चतुर्वेदी जी को कर्मवीर के प्रकाशन की अनुमति दे दी। कर्मवीर का संपादन कार्य माखनलाल जी की प्रतिभा और स्वाधीनता प्रेमी व्यक्तित्व के बहुत अनुकूल था। उन्होंने अपना उत्तरदायित्व सहर्ष स्वीकार किया और इस तरह मध्य प्रदेश की पत्रकारिता के अखिल भारतीय गौरव कर्मवीर का जन्म हुआ। यह भी कह सकते हैं कि कर्मवीर के रूप में हिंदी पत्रकारिता ने अपनी स्वतंत्र निर्भीक सत्ता की वास्तविक अभिव्यक्ति प्राप्त की।

कर्मवीर के प्रथम अंग 17.1, 1920 में उन्होंने लिखा कि हम अपनी जनता के संपूर्ण स्वरूप के उपासक होंगे, अपना यह विश्वास दृढ़ रखेंगे की कोई विशेष मनुष्य या समूह ही नहीं प्रत्येक मनुष्य और समूह मातृ सेवा का समान अधिकारी है। हमारा पथ वही होगा जिस पर संसार भर सुगमता से जा सके। उनमें छत्र धारण किए हुए और चवर से सुशोभित सिर की भी वही कीमत होगी जो कृषकाय लकड़ी के भार से दबे हुए मजदूर की होगी ... हम स्वतंत्रता के हामी हैं मुक्ति के उपासक हैं, राजनीति में समाज में साहित्य में या धर्म में जहां भी स्वतंत्रता का पथ रोका जाएगा ,ठोकर मारने वाले का पहला प्रहार और घातक के शस्त्र का पहला बार आद से लेकर मुक्त होने के लिए प्रस्तुत रहेंगे। दास्तां से हमारा मतभेद रहेगा। फिर वह शरीर की हो या मन की , व्यक्तियों की हो या परिस्थितियोंकी दोषियों की हो या निर्देषियों की, शासको की या शासितों की.... माखनलाल जी ने स्वाधीनता समर की अनेक गतिविधियों में सफलतापूर्वक भाग लिया उसका प्रारंभ रतौना कसाई खाना आंदोलन से माना जा सकता है। इस आंदोलन के अंतर्गत अंग्रेजों को एक तरह से अपनी पहली पराजय का मुंह देखना पड़ा था। कर्मवीर में रतौना के कसाई खाने के खुलने से पहले उन्होंने समाचार पत्र में संपादकीय प्रकाशित करके उसके खिलाफ जन आंदोलन खड़ा कर दिया। अतः सरकार को कसाईखाना खोलने का निर्णय त्यागना पड़ा। इस तरह 2500 गाये प्रति दिन कटने से बच गयी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8326

बाएँ से दाएँ

1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8325 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

4 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2025 वर्ष का 94 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 20.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 05.51 बजे तदनन्तर आर्द्रा 05.21 बजे प्रातः को समाप्त।
योग शोभन 21.45 बजे को समाप्त।
करण गर 08.52 बजे तदनन्तर वणिज 20.13 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 05.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872304
जूलियन दिन 2460769.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 05

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मीन में
चंद्र	मिथुन में
मंगल	कर्क में
बुध	मीन में
गुरु	वृष में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	06.23 बजे से
वृष	08.03 बजे से
मिथुन	10.01 बजे से
कर्क	12.15 बजे से
सिंह	14.31 बजे से
कन्या	16.43 बजे से
तुला	18.53 बजे से
वृश्चिक	21.08 ब.से
धनु	23.24 बजे से
मकर	01.29 बजे से
कुंभ	03.16 बजे से
मीन	04.49 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

जल गंगा संवर्धन अभियान में स्टाप डैम की हुई सफाई

अनूपपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 30 मार्च से 30 जून तक जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन एवं जिपं सीइओ तन्मय वशिष्ठ शर्मा के मार्गदर्शन में अभियान के तहत नगर परिषद डूमरकछार के वार्ड नं. 02 में स्थित स्टॉप डैम में जलीय खरपतवार की साफ-सफाई का कार्य किया गया। इसके साथ ही पुष्पराजगढ़ विकासखंड अंतर्गत जोहिला जलाशय में साफ-सफाई का कार्य एवं दमेहड़ी जलाशय के जीर्णोद्धार का कार्य भी किया जा रहा है।

नरेगा की अकुशल मजदूरी दर में वृद्धि, 1 अप्रैल से प्रभावशील

अनूपपुर। भारत सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 1445 नई दिल्ली, 27 मार्च 2025 अनुसार महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत अकुशल श्रमिकों को प्रदाय मजदूरी दर में संशोधन किया गया है। उक्त अधिसूचना अनुसार मप्र में महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत अकुशल हस्त कर्मकारों की प्रतिदिन मजदूरी की दर 261 रूपए निर्धारित की गई है। यह मजदूरी दर 1 अप्रैल से प्रभावशील हो गई है।

गेहूं उपार्जन किसान अब 9 अप्रैल तक करा सकेंगे पंजीयन

अनूपपुर। शासन द्वारा किसानों के हित में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन की अवधि 9 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में पंजीयन की अवधि 31 मार्च तक निर्धारित की गई थी। जानकारी देते हुए जिला आपूर्ति अधिकारी ने जिले के किसानों से आग्रह किया है कि जिन किसानों ने अभी तक पंजीयन नहीं करवाया है, वे 9 अप्रैल तक गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन जरूर कराएं।

बिजुरी पुलिस ने लापता किशोरी को किया दस्तयाब, परिजनों को सौंपा

अनूपपुर। बिजुरी पुलिस ने 2 अप्रैल को बिना सूचना घर से लापता हुई किशोरी को 12 घंटे के दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। थाना प्रभारी विकास सिंह ने बताया कि 31 मार्च को ग्राम कटकोना जिला कोरिया निवासी महिला अपनी 17 वर्ष की पुत्री के साथ पारिवारिक कार्यक्रम में आई थी। जहां किशोरी रात को बिना बताए घर से कहीं चली गई थी। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना बिजुरी में अज्ञात के खिलाफ धारा 137 (2) बीएनएस का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया और किशोरी को रिपोर्ट दर्ज होने के 12 घंटे के अंदर दस्तयाब कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

मां ज्वालाधाम शक्तिपीठ उचेहरा में कलश की हुई स्थापना

उंचेहरा । नौरोजाबाद उंचेहरा स्थित ज्वालाधाम मंदिर के प्रधान पुजारी ने बताया कि आदिशक्ति मां ज्वाला मंदिर में मंगलवार को घट की स्थापना कर दी गई है। माँ ज्याला देवी मंदिर प्रबंध समिति के मार्गदर्शन में और उनके समिति के सदस्यों द्वारा मंदिर में रहकर दर्शनर्थियों के लिए बेहतर व्यवस्था बनाने में लगे हुए हैं। मंदिर प्रांगण में आने जाने वाले दर्शनर्थियों के जवारा कलश युवा ने की रसीद कटवाने के लिए पूर्व की भांति कार्यालय में, बगल में और ज्योति कलश गृह प्रांगण में बने शेड में व्यवस्था की गयी है। गृहो में कलशों में नंबरिंग की व्यवस्था की गई है जिससे कलश स्थापना कराने वाले श्रद्धालु भक्त सहज सरल और सुगम व्यवस्थित ढंग से अपने कलश स्थापित प्रज्वलित करा सकें। जवारा कलश एक दान राशि 101 रुपये, ज्योति कलश भी 1301 रुपये, ज्योति कलश तेल 601 रुपये, आजीवन ज्योति कलश घी 1301 रुपये, आजीवन ज्योति कलश तेल 1100रु. निर्धारित है। 1 अप्रैल 2025 दिन मंगलवार को प्रातः शुभ मुहूर्त में माँ ज्वाला देवी मंदिर के प्रधान पुजारी, बड़े महाराज द्वारा मंदिर के गर्भगृह में माँ ज्वाला देवी की विधिवत् पूजा अर्चना की गई। संध्या आरती के बाद मां को भगत कीर्तन द्वारा प्रगट करते हुए प्रथम ज्योति कलश की स्थापना की।

हाथियों की मॉनिटरिंग व सुरक्षा में राजस्व, वन और पुलिस की ड्यूटी लगाने अधिकारियों को किया निर्देशित

कलेक्टर ने जंगली हाथियों से होने वाले नुकसान का तत्काल सर्वे करने के दिए निर्देश

विजय मत, अनूपपुर।

आखिरकार जैतहरी वनपरिक्षेत्र में छत्तीसगढ़ की वनसीमा लांघकर पहुंचे तीन हाथियों से लगातार ग्रामीणों को हो रहे नुकसान पर गुरूवार को कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अधिकारियों के साथ बैठक लेकर हाथियों और ग्रामीणों की सुरक्षा में दिशा निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को हाथियों के मूवमेंट से होने वाले नुकसान का तत्काल सर्वे कराने निर्देशित किया ताकि जल्द ही प्रभावित परिवारों को राहत राशि प्रदाय कराई जा सके। कलेक्टर ने कहा है कि अनूपपुर जिले में जंगली हाथियों का मूवमेंट समय-समय पर होता रहता है। हाथियों के मूवमेंट वाले ग्रामों में जंगली हाथियों के मॉनिटरिंग एवं ग्रामीण के सुरक्षा के लिए राजस्व, वन एवं पुलिस विभाग संयुक्त रूप से समन्वित प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जंगली हाथी के मूवमेंट से होने वाले जान माल की सुरक्षा तथा

फसल नुकसान से बचाव के लिए राजस्व, वन एवं पुलिस के अधिकारियों की ड्यूटी ज्यादा संख्या में लगाया जाए। वहीं राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जंगली हाथियों के मूवमेंट से होने वाले नुकसान का तत्काल सर्वे कराते हुए मुआवजा राशि का भी भुगतान कराना सुनिश्चित कराएं। दरअसल पिछले एक सप्ताह से छग के मरवाही वन परिक्षेत्र से तीन हाथी जैतहरी वन परिक्षेत्र में प्रवेश करते हुए दर्जनों गांवों में मूवमेंट कर रही है। इस दौरान आहार की तालाश में हाथी ग्रामीणों के कच्चे आवास को निशाना बनाते हुए उसे नुकसान पहुंचाते हुए अंदर रखी अनाजों को खा जाते हैं। साथ ही बाड़ी और खेतों में लगी फसलों को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

गांवों से हाथियों को दूर रखने भोजन की व्यवस्था के निर्देश

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में हाथियों का विचरण है, वहां सुरक्षित शासकीय भवन चिह्नित कर सुरक्षित रखा जाए। ताकि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर ग्रामीणों को सुरक्षा के लिए वहां शिफ्ट किया जा सके। वहीं एसडीएम एवं वन विभाग के अधिकारियों को हाथियों से बचाव के लिए ग्रामीणों को जागरूक करने के भी निर्देश दिए है। यहीं नहीं कलेक्टर ने हाथियों का ग्रामीण इलाकों में अधिक मूवमेंट नहीं हो इसके लिए वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाथियों के विचरण क्षेत्र में कोई स्थान चिन्हित कर हाथियों के लिए भोजन का प्रबंध की पहल की जाए। उन्हें भोजन उपलब्ध कराया जाए यह एक प्रभावी कदम हो सकता है। जिससे हाथी गांव की ओर विचरण न करें। वहीं हाथियों के मूवमेंट के संबंध में अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर बोले, खाद्यान्न के अवैध परिवहन पर कार्रवाई के बाद थाने में कराए एफआईआर दर्ज

किसानों को फसलों का मिले उचित मूल्य, तौल कांटा का करें सत्यापन, पेयजल, शौचालय की व्यवस्था में किसानों को न हो परेशानी

विजय मत, अनूपपुर।

कृषि उपज मंडी में सजने वाली सब्जी मंडी में दिनोंदिन बढ़ती किसानों की संख्या और घटती सुविधाओं पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने गुरूवार को कृषि उपज मंडी अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की। जिसमें कलेक्टर ने जिले के किसानों को फसलों का शासन द्वारा निर्धारित उचित मूल्य दिलाने के निर्देश मंडी सचिव एवं मंडी इंस्पेक्टर्स को दिए। उन्होंने कहा कि जिले के ज्यादा से ज्यादा किसानों का रजिस्ट्रेशन कराया जाए। इस मौके पर कलेक्टर ने अधिकारियों से कृषि उपज मंडी की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मंडी में किसानों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाएं जैसे पेयजल, शौचालय के संबंध में

जानकारी प्राप्त की तथा निर्देशित किया कि कृषि उपज मंडी में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। वहीं खाद्यान्न के अवैध परिवहन पर कार्रवाई भी ज्यादा से ज्यादा करने के निर्देशित किया और कहा कि खाद्यान्न के अवैध परिवहन पर कार्रवाई कर तत्काल थाना में एफआईआर भी दर्ज कराएं।

एफएक्यू के मापदंडों का हो पालन

बैठक में कलेक्टर ने कृषि उपज मंडी के फार्म गेट पोर्टल पर ज्यादा से ज्यादा किसानों के पंजीयन करने के निर्देश दिए। साथ ही एफएक्यू के निर्धारित मापदंडों का पालन करने को कहा। उन्होंने कहा कि किसानों और व्यापारियों के बीच समन्वय स्थापित कराते हुए किसानों से शासन द्वारा निर्धारित उचित मूल्य पर ही फसल क्रय किया जाए। कृषि उपज मंडी में तौल कांटा का सत्यापन नापतौल विभाग से करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने हाल के दिनों में किसानों से शासकीय समर्थन मूल्य पर हुई धान की खरीदारी और गोदामों में किए भंडार पर भी एफएक्यू मानकों के आधार जांच पड़ताल के निर्देश दिए हैं।

अमरकंटक में रिमझिम बारिश तो अनूपपुर में बूंदाबांदी, मौसम हुआ सुहाना

विजय मत, अनूपपुर।

जिले के आसमान में पिछले दो दिनों से उमड़ घूमड़ कर रही काली बादलों में गुरूवार को मौसम का मिजाज बदल गया। जहां जिला मुख्यालय अनूपपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में बूंदाबांदी का दौर बना। दोपहर में हल्की हवाओं के थपेड़े में चंद मिनटों तक आसमान से बारिश की बूंदे गिरी। वहीं अमरकंटक नगरी में दोपहर 2 बजे के बाद से लगातार रिमझिम वर्षा हो रही है। जिसके कारण अमरकंटक सहित आसपास की वादियां बेहद सुहाना हो गया है। मौसम जानकारों का कहना है कि बारिश होने की संभावनाएं बरकरार है। वहीं मौसम में फिलहाल कोई बदलाव नहीं दिख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि दो-तीन दिनों से आसमान में घने बादल छाए हुए थे। गुरूवार की सुबह 10-11 बजे से हल्की बूंदाबांदी होती रहे। जबकि दोपहर बाद से वर्षा की रिमझिम फुहारे धरती को तृप्त करने लगी। बताया जाता है कि अमरकंटक के तापमान में अचानक 6 डिग्री सेल्सियस कमी दर्ज की गई है। अमरकंटक के बारे में कहा जाता है कि जब गर्मी बढ़ती है तो वर्षा निश्चित तौर पर होती है।

घर का रास्ता भटके 12 वर्षीय बालक को 100 डायल के जवानों ने मिलाया

विजय मत, अनूपपुर।

पुलिस कर्तव्य और सेवानिष्ठा के लिए मानी जाती है, लेकिन जरूरत पर मानवीयता की मूरत भी बन आती है। ऐसा ही कुछ जैतहरी थाना क्षेत्र के बाजार में मिले 12 वर्षीय किशोर के साथ पुलिस का सम्बंध सामने आया। जहां 2 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम में किशोर घर का रास्ता भटक गया है और उसे घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी में पुलिस सहायता की आवश्यकता है किसी सूचनाकर्ता ने बताई। जिसके बाद राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम में लोकेशन के आधार पर जैतहरी में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया। डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक मनोज गुर्जर एवं पायलेट अशोक राठौर ने मौके पर पहुंचकर किशोर को संरक्षण में लिया। किशोर से पूछताछ में किशोर ने रामनगर के होने की जानकारी जवानों को दी। इसके बाद डायल 112/100 के जवानों ने थाना प्रभारी रामनगर एवं वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी देकर किशोर को एफआरव्ही वाहन से रामनगर लेकर पहुंचे, जहां किशोर के नाना मिले। पहचान व सत्यापन उपरांत किशोर को नाना के सुपुर्द किया।

गेहूं पंजीयन हेतु 9 अप्रैल तक तिथि बढी

उमरिया। जिला आपूर्ति अधिकारी बालेन्द्र सिंह परिहार ने बताया कि समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु किसान पंजीयन की अवधि में वृद्धि करते हुए 9 अप्रैल तक तिथि बढाई गई है।

उन्होने बताया कि जिले में गेहू पंजीयन के लिये 35 पंजीयन केन्द्र निर्धारित है, इसके अतिरिक्त एम.पी. ऑनलाईन एवं कॉमन सर्विस सेंटर पर भी किसानों के गेहूं विक्रय के लिये पंजीयन का कार्य किया जा रहा है। जिले में कुल 11805 किसानों द्वारा गेहूं विक्रय के लिये पंजीयन किया गया है। किसानों के पंजीयन का कार्य निरंतर पंजीयन केन्द्रो एवं कियोस्क सेंटर पर किया जा रहा है।

उन्होने कहा है कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 में गेहू पंजीयन से शेष रहे गेहूं उत्पादक एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहू विक्रय के इच्छुक किसानों के गेहूं पंजीयन का कार्य 9 अप्रैल 2025 तक करना सुनिश्चित करें।

शराब पीती थी पत्नी, पति ने पीट-पीट कर मार डाला, हत्यारा पति गिरफ्तार

विजय मत, अनूपपुर।

चचाई पुलिस ने दम्पत्ति के बीच शराब पीने को लेकर हुए विवाद और पति द्वारा पत्नी को लगातार पिटे जाने के कारण पत्नी की हुई मौत मामले का खुलासा किया है। वहीं आरोपी पति 50 वर्षीय राजू सोनी पिता स्व. मुन्ना लाल सोनी निवासी वार्ड क्रमांक 8 मस्जिद के पीछे अमलाई थाना चचाई को गिरफ्तार कर न्यायालय अनूपपुर के माध्यम से जेल भेजा गया है। थाना प्रभारी चचाई राकेश उइके ने बताया कि 30 मार्च को मोबाइल पर सूचना प्राप्त हुआ कि राजू सोनी अपनी पत्नी गुडिया उर्फ राखी सोनी के साथ मारपीट किया है। दो तीन पहले से मारपीट कर रहा था जो खत्म हो गई है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतिका के पति सूचनाकर्ता राजू सोनी की सूचना पर देहाती मर्ग इंटीमेशन कायम कर शव का

पंचनामा मृतिका के परिजनों के समक्ष अंबिकापुर से बुलाकर किया गया। और शव के पीएम रिपोर्ट में चिकित्सकों द्वारा मृतिका की मृत्यु सिर में गंभीर चोंट आने से मृत्यु होना बताया। जिसके बाद मृतिका का बिसरा प्रिजर्व किया गया है। शव निरीक्षण के दौरान मृतिका के शव शरीर पर अनेक स्थानों पर चोट के गहरे निशान पाए गए।

शराब पीने की आदी थी महिला, पति से होता था विवाद

मृतिका के परिजनों एवं मृतिका के घर के पास रहने वाले लोगों के कथन लिए गए है। जिनके द्वारा बताया गया है कि मृतिका शराब पीती थी, जिस कारण से उसके पति राजू सोनी से विवाद होता था और उसका पति मारपीट करता था। 30 मार्च को लाठी से मारपीट किया है। मारपीट से आई गंभीर चोट के कारण उसकी मौत हो गई। जिसके बाद 31 मार्च को आरोपी राजू सोनी के विरूद्ध धारा 103(1) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

विरोध — शराब दुकान हटाने कर रही मांग, नहीं तो देगी दुकान के सामने धरना

शराब दुकान के खिलाफ महिलाएं पहुंची कलेक्ट्रेट

विजय मत, कोतमा।

कोतमा नगरपालिका वार्ड क्रमांक 4 बस स्टैंड के समीप आवासीय परिसर में लंबे समय से संचालित अंग्रेजी शराब दुकान हटाने को लेकर कोतमा नगर की महिलाएं गुरूवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर पहुंची। जहां दो दर्जन से ज्यादा महिलाएं व सैकड़ो पुरुषों के द्वारा कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं आबकारी अधिकारी सरिता भगत को ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल शराब दुकान हटाए जाने की मांग की। शराब दुकान न हटने की स्थिति में दुकान के सामने ही विरोध प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी दी गई है। ज्ञापन दे रही महिलाओं में यशोदा गुप्ता, सावित्री त्रिपाठी, पूनम तिवारी, पूजा शुक्ला, ज्योति गुप्ता, संगीता साहू, शाहिदा बेगम, स्नेहा उपाध्याय सहित प्रदीप उपाध्याय, प्रकाश गुप्ता, चंदन शर्मा व अन्य लोग शामिल रहे। इससे पूर्व नगरवासियों ने सार्वजनिक स्थल पर शराब दुकान के विरोध में

मंत्री दिलीप जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ, स्थानीय एसडीएम, तहसीलदार, थाना कोतमा सहित आबकारी विभाग को ज्ञापन सौंपकर शराब दुकान हटाने की मांग की थी। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिससे नाराज वार्डवासी आज कलेक्ट्रेट पहुंच गए।

शराबियों के हुड़दंग और विवाद का दिया हवाला

वार्डवासी महिलाओं ने बताया कि पिछले 5 वर्षों से शराब दुकान संचालित होने के कारण घर की महिलाएं घर के अंदर कैद हो गई हैं। शाम ढलते ही शराबियों व असामाजिक तत्वों का हंगामा शुरू हो जाता है जो आधी रात तक जारी रहता है। शराब

दुकान के पास ही दो बड़े पंजीकृत बैंक हैं, जहां पूर्व में भी बैंक के सामने चोरी एवं लूटपाट की कई वारदातें हो चुकी हैं। जल्द ही आवासीय परिसर से शराब दुकान नहीं हटाई जाती तो आने वाले दिनों में उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। जिसकी समस्त जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी। नगर के व्यापारियों कभी कहना है कि शराब दुकान के कारण पारिवारिक ग्राहक बिल्कुल नहीं आते और व्यापार भी प्रभावित हो रहा है।

युवा टीम ने ऐतिहासिक सगरा तालाब में आयोजित किया स्वच्छता अभियान

विजय मत, उमरिया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत युवा टीम उमरिया की टोली के द्वारा बिरसिंहपुर पाली का ऐतिहासिक सगरा तालाब में स्वच्छता अभियान आयोजित कर सगरा तालाब से पॉलीथिन, प्लास्टिक, कांच एवं प्लास्टिक बॉटल्स, मलवा व आदि बाहर कर तालाब को स्वच्छ व सुंदर बनाने का प्रयास किया गया। जल के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थों के तालाब से बाहर निकालकर साफ करने के लिए लोगो से आवाहन किया। तालाब के किनारे अत्यधिक मात्रा में पड़ी हुई पॉलीथीन व प्लास्टिक को हटाया गया। हिमांशु तिवारी ने बताया कि तालाब के तीनों घाटों में आमजन के द्वारा फूल मालाओं व पूजन सामग्री का विसर्जन किया जाता है। लेकिन जिन पॉलीथीन के बैग में रखकर ये सामग्री लाई जाती है। उन बेग को भी वही किनारे फेंक दिया जाता है। इन

घाटों को पॉलीथीन व प्लास्टिक मुक्त व जल का संरक्षण करने का प्रयास किया गया। साथ ही आमजन को प्लास्टिक व पॉलीथीन उपयोग न करने के लिए जागरूक किया गया।उन्होंने ने बताया कि हमारे द्वारा अनावश्यक सामग्री को तालाब या पानी के स्त्रोत में फेंकने से जल तो प्रदूषित होता ही है। साथ ही पानी मे रहने वाले जीव जंतुओं पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अभियान में खुशी सेन, खुशबू बर्मन, लक्ष्मी महोबिया, शिखा बर्मन, शिवांजलि सोनी, मुस्कान महोदिया, वैष्णवी बर्मन, रागिनी बर्मन, बबलू रजक, सागर कोल, दीपू सेन, सौरभ पांडे, महक सोनी ,नेहा सिंह एवम सभी उपस्थित रहे।

न्यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अरविंद जोशी के निधन पर किया शोक व्यक्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माधवाश्रम न्यास गौशाला के संस्थापक व पूर्ण अध्यक्ष अरविंद जोशी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। अरविंद जोशी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह एवं वर्तमान में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश भैयाजी जोशी के बड़े भाई थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने परिजन के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए, बाबा महाकाल से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

बिजली चोरी के सूचनाकर्ता को पारितोषिक की 5 फीसदी राशि तुरंत मिलेगी

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाती है। योजना के संशोधित प्रावधान के अनुसार 5 प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा। शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली उपरांत देय होगी। कंपनी में कार्यरत नियमित कर्मचारी/ संविदा/ आउटसोर्स कर्मचारी को भी सूचनाकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। सूचना सही पाए जाने एवं जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश की पूर्ण वसूली होने पर एक प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाएगी। कंपनी ने कहा है कि विभिन्न परिसरों की जांच एवं जांच के बाद बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपी के विरूद्ध निकाली गयी राशि की वसूली में सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। कंपनी ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ जांच एवं वसूली के कार्य में शामिल बाह्य स्त्रोत कर्मचारियों को भी परितोषिक योजना के तहत दी जाने वाली 2.5 (ढाई) प्रतिशत प्रोत्साहन राशि को सभी संबंधितों को समान रूप में दिया जाना निर्धारित किया गया है।

पुरानी देनदारी चुका कर विकास के पैमानों पर आगे बढ़ रहा है राज्य

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर अपनी पुरानी देनदारी चुका कर, नई दृष्टि से विकास के पैमानों पर आगे बढ़ रही है। देश में मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने अपनी 7-8 साल पहले की सारी देनदारी चुकाने का कार्य किया। हमारी सरकार ने एमएसएमई और हैवी इंडस्ट्रीज सहित सभी प्रकार की इकाइयों को गत एक वर्ष में लगभग 5 हजार 225 करोड़ की राशि देने का काम किया है। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार नवीन पहलों के माध्यम से उद्योगों के लिए निरंतर सकारात्मक वातावरण बना रही है। राज्य सरकार विकास के लिए प्रदेश से जुडने वाले उद्योगों से किये गये अपने सभी संकल्पों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को जारी संदेश में यह बात कही।

मप्र में एनआईए की तर्ज पर बनी एसआईए, नक्सली गतिविधियों को रोकने सरकार ने बनाई जांच एजेंसी

भोपाल। नक्सली गतिविधियों को रोकने, जांच व उनके विरुद्ध ऑपरेशन के लिए प्रदेश में स्टेट इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एसआईए) का गठन किया गया है। पुलिस मुख्यालय की सीआईडी शाखा के आईजी स्तर के अधिकारी को इसका प्रमुख बनाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि नक्सल प्रभावित अन्य राज्यों में भी इसी तरह की जांच एजेंसी बनाई गई है। यह केंद्र की नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) की तरह काम करेगी। एनआईए का गठन देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त लोगों पर कार्रवाई के लिए किया गया है। केंद्र सरकार के निर्देश पर महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में इसका गठन किया जा चुका है। नक्सलियों ने इन तीनों राज्यों को मिलाकर एक जोन (एमएमसी) बनाया हुआ है। एसआईए से इसमें नक्सलियों के विरुद्ध कार्रवाई में तेजी आएगी। बता दें, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च, 2026 तक देश से नक्सल समस्या पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य रखा है। एसआईए का गठन इसी दिशा में एक प्रयास है। इसका मुख्य काम नक्सलियों के नेटवर्क का पता लगाना है। साथ ही, एजेंसी के अन्य कार्य नक्सलियों को आर्थिक सहायता कहां से मिल रही है, नक्सलियों द्वारा उपयोग किए जा रहे हथियार उन तक कैसे पहुंच रहे हैं, नए नक्सलियों की भर्ती का तरीका, ग्रामीणों से संपर्क की रणनीति, बड़ी नक्सली घटनाओं की जांच से संबंधित रहेगा।

मप्र में कई जिलों में छाए बादल; 25 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल में बूंदाबांदी, सीहोर-बालाघाट में पानी गिरा

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में आज यानी गुरुवार को भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। भोपाल, सीहोर, रायसेन, ग्वालियर और बालाघाट में बारिश हुई है। बालाघाट में सुबह बूंदाबांदी के बाद दोपहर में तेज बारिश हुई। वहीं सीहोर में शाम को रिमझिम बारिश हुई है। भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। भोपाल में तो कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हुई है।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से खरगोन, खंडवा, हरदा और बैतूल में ओले गिर सकते हैं। ग्वालियर-जबलपुर समेत आधे एमपी में आंधी और हल्की बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने ग्वालियर, जबलपुर, मुरैना, श्योपुर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, रीवा, मैहर, पन्ना, कटनी, दमोह, सागर, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, रायसेन,

इसलिए बदल रहा मौसम... सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि ट्रफ, वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से प्रदेश में मौसम बदला है। गुरुवार को ओलावृष्टि, आंधी और हल्की बारिश हो सकती है।

मंदसौर-सागर में ओले गिरे, डिंडौरी-छिंदवाड़ा में बारिश

इससे पहले बुधवार शाम मंदसौर के गरोठ और शामगढ़ में ओले गिरे। सागर के ग्रामीण इलाकों में भी देर रात बारिश के साथ ओले गिरे। जैसीनगर क्षेत्र के कंदेला में इनका आकार बेर के बराबर था। गौरझामर इलाके में भी बारिश हुई। सागर शहर में रात 3 से सुबह 5 बजे के बीच हल्की बारिश हुई। गुरुवार सुबह से धूप-छांव का दौर जारी है। वहीं, डिडौरी, छिंदवाड़ा, मंडला, सिवनी, उमरिया समेत कई शहरों में बारिश हुई। भोपाल में दोपहर तक बादल छाए रहे। बदले मौसम की वजह से दिन के तापमान में भी गिरावट हुई है।

सिवनी में तापमान 28.2 डिग्री, नर्मदापुरम में 40.2 डिग्री सेल्सियस रहा

सिवनी में पारा 28.2 डिग्री, उमरिया में 29.3 डिग्री, सीधी में 30.8 डिग्री, पचमढ़ी में 31 डिग्री, रीवा में 32 डिग्री और छिंदवाड़ा में 32.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर, नर्मदापुरम, रतलाम, धार और शिवपुरी में पारा बढ़ा रहा। नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा 40.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 36.4 डिग्री, इंदौर में 37 डिग्री, ग्वालियर में 36.7 डिग्री, उज्जैन में 38.5 डिग्री और जबलपुर में 30.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

मुस्लिमों के हर तबके, महिलाओं और गरीबों को प्रतिनिधित्व देगा वक्फ संशोधन बिल

वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता लाएगा वक्फ संशोधन बिल, बढ़ेगी वक्फ बोर्ड की आय : पटेल

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत वक्फ संशोधन बिल का सभी को स्वागत करना चाहिए। इस बिल का विरोध न भारत के मुसलमान कर रहे हैं ना बाकी लोग कर रहे हैं। हर कोई इसका स्वागत कर रहा है। इसका विरोध सिर्फ कांग्रेस और सपा जैसे राजनीतिक दल कर रहे हैं, जो मुस्लिमों के हितैषी नहीं हैं, बल्कि उनका इस्तेमाल वोट बैंक की तरह करना चाहते हैं। इस बिल का विरोध ऐसे लोग भी कर रहे हैं जो वक्फ बोर्ड की आड़ में

भू-माफिया बनकर मोटी कमाई कर रहे हैं। यही लोग देश की जनता को भड़काने का षडयंत्र रच रहे हैं। को मध्यप्रदेश सहित देशभर के दो करोड़ लोगों से सुझाव लेने के बाद वक्फ संशोधन बिल लाया गया है। ऑनलाइन भी सुझाव लिए गए हैं। यह बिल वक्फ कानून की विसंगतियां दूर करने के साथ मुस्लिम समाज के गरीबों-महिलाओं और जरूरतमंदों के लिए अंत्योदय का कार्य करेगा। डॉ. सनवर पटेल ने कहा कि यह बिल वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के असली हकदारों को उनका हक दिलाने के लिए लाया गया है। वक्फ बोर्ड के कामकाज में वक्फ संशोधन बिल पारदर्शिता लाएगा और वक्फ बोर्ड की आय भी बढ़ेगी। यह संशोधन विधेयक देश के भाईचारे और मुस्लिम समाज के हित व मुस्लिम समाज के जरूरतमंद लोगों के हक में है।

मुस्लिमों के हर वर्ग का होगा सशक्तीकरण

वक्फ बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 1995 में वक्फ एक्ट लाई थी और 2013 में चुनाव से ऐन वक्त पहले कांग्रेस सरकार ने उसमें संशोधन किया। मुस्लिमों को वोट बैंक मानने वाली कांग्रेस पार्टी को न मुस्लिम समाज की भलाई की चिंता थी और न वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता की फिक्र थी। मुस्लिम समाज के हितों के लिए मोदी सरकार वक्फ संशोधन बिल लाई है। डॉ. पटेल ने कहा कि मुस्लिमों में भी बोहरा, खानी, पसमांदा जैसे कई समाज हैं, लेकिन इन्हें वक्फ बोर्ड में कोई प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं था। यह मुस्लिम समाज के ही अंग हैं जिनको वर्तमान वक्फ अधिनियम में कोई प्रतिनिधत्व नहीं था। इन समाजों ने कई बार बोर्ड में प्रतिनिधित्व दिए जाने की मांग की थी। डॉ. पटेल ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा लाए गए वक्फ संशोधन बिल से इन वर्गों के साथ-साथ महिलाओं को भी वक्फ बोर्ड में प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। इससे महिला सहित सभी वर्गों का सशक्तीकरण होगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संशोधनों के बाद वक्फ बोर्ड को लगभग 12000 करोड़ की आय होने का अनुमान है और ये पैसे मुस्लिम समाज के ही काम आएगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में वर्तमान में 15008 वक्फ संपत्तियां हैं। वर्ष 2020 में पट्टा नियम लागू किया गया। अगर पट्टा नियम के हिसाब से देखा जाए तो मध्यप्रदेश में वक्फ संपत्तियों से प्रति वर्ष को 100 करोड़ की आय होनी चाहिए, लेकिन कानून की विसंगतियों और कांग्रेस नेताओं के अवैध कब्जे के कारण वक्फ संपत्तियों से प्रतिवर्ष दो करोड़ की ही आय हो रही है। कानून में संशोधन के बाद वक्फ बोर्ड की आय बढ़ेगी।

झूठ, भ्रम और विरोध की राजनीति करती है कांग्रेस

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सरवर पटेल ने कहा कि विपक्ष की जिम्मेदारी होती है कि वह सकारात्मक सुझाव भी दे, हर बात का विरोध न करे। लेकिन कांग्रेस हमेशा विचार-विमर्श से भागती रही है और विरोध की राजनीति करती है। आर्टिकल-370, ट्रिपल तलाक और जीएसटी के संबंध में संसद में जो विशेष सत्र आयोजित किए गए थे, कांग्रेस पार्टी इनमें भी शामिल नहीं हुई। राजनीति के लिए नए संसद भवन, सेंट्रल विस्टा का विरोध भी कांग्रेस का ऐसा ही कदम था। सीएए के बारे में कांग्रेस ने भ्रम फैलाया कि इससे मुस्लिमों की नागरिकता छिन जाएगी।

सच्चर कमेटी की सिफारिशों का विरोध कर रही कांग्रेस

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सरवर पटेल ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने मुस्लिमों के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए वर्ष 2005 में सच्चर कमेटी का गठन किया था, जिसने वर्ष 2006 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। लेकिन कांग्रेस की सरकार इस रिपोर्ट को वर्ष 2014 यानी करीब 8 साल तक दबाकर बैठी रही, क्योंकि उसका उद्देश्य कभी भी मुस्लिमों का कल्याण नहीं रहा। प्रस्तावित वक्फ संशोधन बिल के अनुसार वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल में सच्चर कमेटी की सिफारिशों के अनुसार ही काम होगा।

एक लाख 25 हजार 631 किसानों से 10 लाख 25 हजार मीट्रिक टन से अधिक हुई गेहूँ खरीदी: राजपूत

विजय मत, भोपाल

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश में अभी तक एक लाख 25 हजार 631 किसानों से 10 लाख 25 हजार 735 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक 1794 करोड़ 82 लाख रूपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है।

जिला उज्जैन में एक लाख 93 हजार 362, सीहोर में एक लाख 61 हजार 737, देवास में 90 हजार 740, शाजापुर में 92 हजार 613, इंदौर में 69 हजार 558, भोपाल में 74 हजार 75, राजगढ़ में 66 हजार 47, मंदसौर 42 हजार 909, आगर मालवा में 40 हजार 550, धार में 33 हजार 249, विदिशा में 54 हजार 474, हरदा में 24 हजार 45, खण्डवा में 16 हजार 654, रतलाम में 19 हजार 743, नीमच में 6362, नर्मदापुरम में 8140, झाबुआ में 5710, रायसेन में 14183, बैतूल में 2431, दमोह में 3557, खरगौन में 565, गुना में 1057, सागर में 1053, नरसिंहपुर में 221, छिंदवाड़ा में 185, अशोकनगर में 119, सिवनी में 1313, सतना में 926, मण्डला में 90, दतिया में 43 और अलीराजपुर में 24, मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। इस वर्ष अभी तक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये 15 लाख 9 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन करवाया है। किसान अब 9 अप्रैल तक पंजीयन करा सकते हैं।

जनभागीदारी से जल गंगा संवर्धन अभियान को मिल रही गति

- बैरसिया के ग्राम पंचायतों में श्रमदान के माध्यम से पोखरों का गहरीकरण एवं कुओं की साफ-सफाई की गई

विजय मत, भोपाल

भोपाल में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनभागीदारी से जल संरक्षण के कार्य तेजी से जारी हैं। इन कार्यों में समाज के सभी वर्गों का सक्रिय सहयोग देखने को मिल रहा है। गुरुवार को जनपद बैरसिया के ग्राम पंचायत बरखेड़ी हज्जाम, बीनापुर अगरिया, खजूरी, बोरदा, मुबारकपुर, कालापानी एवं सुरैया नगर में श्रमदान के माध्यम से पोखरों का गहरीकरण एवं कुओं की साफ-सफाई की गई। जिले में जनपद पंचायत बैरसिया एवं फंदा क्षेत्रों में 107 खेत तालाबों का निर्माण प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही अमृत सरोवर योजना (फेस 2.0) के अंतर्गत दामखेडा, उनींदा, परसोरा, पसैया (सेमरा), गढ़ाखुर्द एवं रमाहा ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर तालाबों का चयन किया गया है। मनरेगा के अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों को गति देते हुए 1905 प्रगतिरत कार्यों में से 837 कार्यों को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, प्रत्येक प्रगतिरत कपिलधारा कूप का निर्माण भी सुनिश्चित किया जाएगा।

भोपाल स्थित 6 संस्थान ईट राइट कैम्पस घोषित

भोपाल। भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण, भारत सरकार के द्वारा भोपाल स्थित वल्लभभवन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट, एम.पी. वाल्मी, ताज लेकफ्रंट होटल, एस.एम.एच. हॉस्पिटल, तथा अपोलो सेज हॉस्पिटल को ईट राइट कैम्पस घोषित किया गया है। ईट राइट कैम्पस प्रमाणन की प्रक्रिया के दौरान संस्थानों में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के समस्त प्रावधानों के अनुपालन की जांच की जाती है। प्रशिक्षित पर्यवेक्षकों की देखरेख में स्वच्छतापूर्वक वातावरण में सुरक्षित तथा गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदाय करने वाले संस्थानों को फूड सेफ्टी ऑडिट के उपरांत ईट राइट कैम्पस घोषित किया जाता है।

10 जल विद्युत गृहों ने उत्पादित की 2757 मिलियन यूनिट बिजली: तोमर

- मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने नियामक आयोग के निर्धारित लक्ष्य से अधिक किया जल विद्युत उत्पादन

विजय मत, भोपाल

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश नियामक आयोग द्वारा निर्धारित वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2694 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। जल विद्युत गृहों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 2757 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। जल विद्युत गृहों द्वारा वर्ष 2020-21 के बाद यह उपलब्धि? हासिल की। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की जल विद्युत उत्पादन क्षमता 915 मेगावाट है

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के इस उपलब्धि में 90 मेगावाट स्थापित क्षमता के रानी अवंतीबाई सागर जल विद्युत गृह बरगी, 160 मेगवाट स्थापित क्षमता के पेंच जल विद्युत गृह तोतलाडोह, 315 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-एक टोंस जल विद्युत गृह सिरमौर, 20 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-4 जल विद्युत गृह झिन्ना, 45 मेगावाट स्थापित क्षमता के राजघाट जल विद्युत गृह और 60 मेगावाट स्थापित क्षमता के मरहीखेड़ा जल विद्युत गृह ने प्रमुख योगदान दिया। इन सभी विद्युत गृहों ने अपने वार्षि?क उत्पादन लक्ष्य से अधिक विद्युत उत्पादन किया। बाणसागर--2 जल विद्युत गृह सिलपारा व बाणसागर--3 जल विद्युत गृह देवलोंद ने भी नियामक आयोग के निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया।

खास-खबर यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय की कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

सुरक्षा के दृष्टिगत पंडित खुशीलाल चिकित्सालय परिसर में पूरी बाउंड्री वॉल का निर्माण करें : संभागायुक्त

विजय मत, भोपाल

संभागायुक्त संजीव सिंह ने पंडित खुशीलाल चिकित्सालय परिसर में सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय, चिकित्सालय एवं छात्रावास परिसर में पूरी बाउंड्रीवाल निर्मित करने के निर्देश दिए। साथ ही महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय एवं पीजी भवन के रिपेयरिंग कार्य को समय-सीमा में पूर्ण कराए जाने एवं महाविद्यालय में ई-ऑफिस कार्यप्रणाली की प्रक्रिया हेतु अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने गुरुवार को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में हकीम सैय्यद जियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय की कार्यकारिणी समिति की बैठक ली।

बैठक में संयुक्त आयुक्त विनोद यादव, प्रतिनिधि आयुक्त संचालनालय डॉ. पंकज गुप्ता, प्रधानाचार्य हकीम सैय्यद जियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय डॉ. महमुदा बेगम, पंडित खुशीलाल चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य उमेश शुक्ला एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त सिंह ने महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय में कैजुअल्टी वार्ड विकसित करने हेतु आवश्यक उपकरणों के क्रय करने, डिजिटल एक्स-रे मशीन, चिकित्सालय एवं महिला छात्रावास में अग्निशमन उपकरण, नवीन महिला छात्रावास में वाटर कूलर क्रय करने हेतु अनुमोदन प्रदान किया। सिंह ने महाविद्यालय से संबद्ध महिला छात्रावास एवं पीजी भवन के आगंतुक कक्ष हेतु फुल कवर्ड फिक्स्ड सोफासेट क्रय करने का अनुमोदन प्रदान किया।

छिंदवाड़ा में जिला योजना समिति की बैठक आज, मंत्री राकेश रहेंगे मौजूद

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले में विकास के नाम पर बैठकों की घोषणाएं तो कई बार होती हैं, लेकिन इसका नतीजा कुछ नहीं निकलता। अब एक बार फिर शुक्रवार 4 अप्रैल को जिला योजना समिति की बैठक आयोजित करने का दावा किया गया है। बैठक में शामिल होने के लिए लोक निर्माण विभाग मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह आज गुरुवार को छिंदवाड़ा आ रहे हैं। वहीं, जिला प्रशासन ने इस महत्वपूर्ण बैठक को लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। दिलचस्प बात यह है कि पिछले पांच साल से यह बैठक सिर्फ कागजों पर ही होती आई है। चार महीने पहले भी बैठक का एलान किया गया था, लेकिन आखिरी समय में इसे स्थगित कर दिया गया। ऐसे अब देखने वाली बात होगी कि क्या बैठक में जिले के विकास के लिए कोई ठोस फैसला लिया जाएगा या फिर राजनीति की रस्साकशी फिर दिखाई देगी। शहर और गांवों में चल रहे 2,249 आंगनवाड़ी केंद्रों की हालत किसी से छिपी नहीं है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी की पत्रकारवार्ता

स्कूलों की मनमानी पर प्रदेश सरकार का अंकुश क्यों नहीं: विवेक त्रिपाठी

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारवार्ता को संबोधित कर प्रदेशभर में निजी स्कूलों द्वारा की जा रही मनमानी और नियमों का उल्लघंन कर अत्यंत महंगी किताबों और ड्रेस की अपनी चहेती (कमीशन देने वाली) दुकान से बिक्री तथा फीस वृद्धि के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की वहीं त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन को स्मरण पत्र भेजा , पत्र के माध्यम से त्रिपाठी ने समस्त जिलों के कलेक्टरों को निजी स्कूलों की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई करने हेतु तत्काल निर्देश जारी करने की मांग की ।

पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए विवेक त्रिपाठी ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा की जा रही अनुचित शुल्क वसूली, महंगी निजी प्रकाशनों की किताबों की अनिवार्यता, तथा आरटीई नियमों के उल्लंघन जैसी गंभीर समस्याओं को कांग्रेस द्वारा समय समय पर उजागर किया गया। जिसकी विधिवत शिकायत हमारे द्वारा शासन एवं प्रशासन के जिम्मेदार व्यक्तियों को लगातार की जा रही हैं परन्तु जिम्मेदार अधिकारी शिक्षा माफियाओं के दबाव में कोई कार्यवाही नहीं कर रहें। जिसके कारण मध्यप्रदेश के पीड़ित अभिभावकों में रोष व्याप्त हैं , जिसको दृष्टिगत रखते हुए हम शासन से निम्नलिखित मांग करते हैं।

आईपीएल में आज मुंबई और लखनऊ के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार

लखनऊ, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जॉइंट्स अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपर जॉइंट्स का लक्ष्य जीत हासिल कर वापसी करना रहेगा। अब तक हुए तीन मैचों में से उसे दो मुकाबलों में हार मिली है। पिछले मैच में उसे पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। टीम के कप्तान ऋषभ पंत पर भी सभी की नजरें रहेंगी। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होने बाद भी ऋषभ अभी तक रन नहीं बना पाये हैं। तीन मैचों को मिला भी दें तो भी उनके 30 से कम रन हैं। इस मैच में अगर लखनऊ को जीत दर्ज करनी है तो कप्तान को रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर मुम्बई इंडियंस का सफर भी अब तक अच्छा नहीं रहा है। उसे भी केवल एक ही मैच में जीत मिली है। मुम्बई के भी अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा का भी बल्ला अब तक खामोश हैं। ऐसे में वह भी इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाने के इरादे से उतरेंगे। इस मैच में उतर रही दोनो ही टीमों की हालत तकरीबन एक ही है। मुंबई को अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने का भी नुकसान हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस आईपीएल सत्र से बाहर हैं।

बुमराह की जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने पिछले मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी जिससे मुम्बई को राहत मिली है। अश्वनी कुमार ने इस मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज ने घरेलू क्रिकेट में केवल चार टी20 मैच खेलने के बाद मुंबई की ओर से आईपीएल में पदार्पण करते हुए अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे स्टार बल्लेबाजों के विकेट लिए थे।

शाम 7:30 बजे से होगा मैच

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, आकाश दीप, आकाश सिंह, अवेश खान, आयुष बदोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, अर्शिन कुलकर्णी, एडेन मार्करम, मिशेल मार्श, डेविड मिलर, निकोलस पूरन, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, शाहबाज़ अहमद, मणिमारन सिद्धार्थ, शार्दुल ठाकुर, मयंक यादव।

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), अश्वनी कुमार, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, विल जैक्स, बेवॉन जैकब्स, रॉबिन मिंज, मुजीब उर रहमान, नमन धीर, विग्नेश पुथुर, सत्यनारायण राजू, रयान रिकेलटन, मिशेल सेंटनर, कर्ण शर्मा, रोहित शर्मा, कृष्णन श्रीजीत, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, रीस टॉपले, सूर्यकुमार यादव।

फुटबॉल

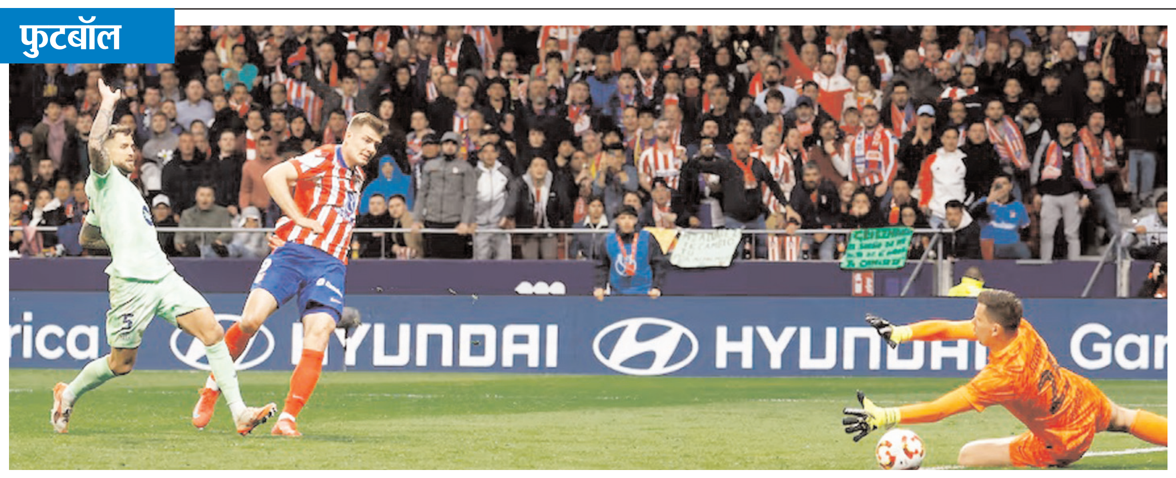

मैड्रिड में कोपा डेल रे फुटबॉल में खेलती हुई एटलिटको मैड्रिड और एफसी बार्सिलोना की टीमें।

गुजरात के खिलाफ मुकाबले में विफल रहे विराट

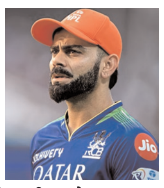

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार के बाद अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर संकेतों में निशाना साधा है। विराट इस मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये। बल्लेबाजी करते हुए वह 7 ही रन बना पाये। इसके बाद फील्डिंग करते हुए 12वें ओवर में ही चोटिल हो गए। पाटीदार ने कहा कि पावरप्ले में खराब प्रदर्शन से टीम हारी। टिम डेविड और लिविंगस्टन ने 54 रन बनाकर सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा दिया पर इसके बाद खराब फील्डिंग के कारण टीम की गेंदबाजी प्रभावी नहीं रही।

ईशान को इस बार भी बीसीसीआई अनुबंध मिलने की संभावना नहीं: रिपोर्ट

मुम्बई, एजेंसी

पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे ईशान किशन आजकल आईपीएल खेल रहे हैं। ईशान का इसमें अब तक का प्रदर्शन मिलाजुला रहा है। पहले ही मैच में उन्होंने शतक लगाया था पर बाद के मैचों में वह रन नहीं बना पाये। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड आने समय में केन्द्रीय अनुबंध देने जा रहा है। इसमें इस बार भी ईशान को अवसर मिलने की संभावना नहीं है। ईशान को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण पिछले बार भी अनुबंध नहीं मिला था। ईशान केअलावा श्रेयस अय्यर को भी पिछले साल अनुबंध नहीं मिला था पर इस बार जहां श्रेयस की वापसी तय है, वहीं ईशान को अभी इंतजार करना होगा। श्रेयस ने बीसीसीआई की फटकार के बाद घरेलू क्रिकेट खेल लिया था और इससे उनकी भारतीय टीम में भी वापसी हो गयी थी। अभी श्रेयस आईपीएल में भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं बीसीसीआई अनुबंध सूची अभी जारी नहीं हुई है पर कहा जा रहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को इसमें ए प्लस में ही बनाये रखा जाएगा।

पिच को लेकर सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बताएं फ्रैंचाइजी: बीसीसीआई

■ बीच सत्र में बदलाव संभव नहीं

मुम्बई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी फ्रैंचाइजियों से कहा है कि कि वे पिच को लेकर जो भी बातें कहनी हैं वह सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बता दे। सत्र के बीच में इस बारे में कुछ न कहें। बोर्ड ने ये बात हाल ही में आये उस बयान के बाद कही है जिसमें लखनऊ सुपरजायंट्स के मुख्य कोच जहीर खान ने कहा था कि पिच घरेलू हालातों के अनुसार नहीं बनी है। जहीर ने यहां तक कहा था कि इस पिच को देखकर ऐसा लगा जैसे पंजाब के किसी क्यूरेटर ने इसे तैयार किया हो। आईपीएल में अभी तक हुए मैचों में सुपरजायंट्स ही नहीं कई अन्य टीमों ने भी पिच पर सवाल उठाये हैं। इन टीमों का कहना था कि उन्हें घरेलू मैदान का लाभ नहीं मिलता दिखा। बोर्ड के बयान से साफ है कि बीसीसीआई आईपीएल मैचों की पिच को लेकर संतुष्ट है और उसे इनसे कोई परेशानी नहीं है। बोर्ड की एक रिपोर्ट में बताया है कि फ्रैंचाइजी पिच को लेकर अपनी जरूरतों के बारे में पहले से बताये क्योंकि किसी भी प्रकार का बदलाव एक ही सप्ताह में नहीं हो सकता।

स्टोक्स के चोटिल होने से इंग्लैड टीम को लगा झटका

लंदन। इंग्लैड टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स चोटिल हो गये है। इससे इंग्लैड की टीम को करारा झटका लगा है क्योंकि उसे भारत के खिलाफ जून में टेस्ट सीरीज खेलनी है जिसके लिए उसे तैयारी करनी है। स्टोक्स हैमस्ट्रिंग की इस चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए है है। वह हालांकि हैमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं। मुख्य कोच रयान कैंपबेल को हालांकि भरोसा है कि वह भारतीय टीम के दौरे तक उबर जाएंगे। स्टोक्स छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान भी वह चोटिल हो गए थे, तब से लेकर स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हो रही काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। उनके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद डरहम और इंग्लैंड के उनके साथी खिलाड़ी ब्रायडन कार्से भी नहीं खेलेंगे।

रोनाल्डो का प्रशंसक होने के कारण उन्हीं के अंदाज में जश्न मनाता हूं: सिराज

बेंगलुरु, एजेंसी

आईपीएल के 18 वें सत्र में गुजरात टाइटंस की ओर खेलते हुए तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने तीन विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस कारण उन्हें मैन ऑफ द मैच मिला। इस अवार्ड के मिलने से उत्साहित सिराज ने उसी प्रकार से जश्न मनाया जैसे जीत के बाद पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर रोनाल्डो मनाया करते हैं। सिराज पहले जहां रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते थे। वहीं इस बार वह गुजरात टाइटंस की ओर से खेल रहे हैं। सिराज से जब ये पूछा गया कि वह रोनाल्डो की तरह जश्न क्यों मनाते हैं तो उन्होंने कहा कि वह इस स्टार फुटबॉलर के प्रशंसक हैं। इसी लिए उन्हीं की तरह जश्न मनाते हैं।

सिराज से जब कमेंटेटर और प्रजेंटर मुरली कार्तिक ने पूछा किया उन्हें गुजरात की नीली जर्सी में कैसा लग रहा है। इसपर सिराज ने कहा कि सात साल बाद मैं इस मैदान पर अपनी पुरानी टीम के खिलाफ गेंदबाजी करने उतरा था। इसलिए शुरू में थोड़ा नर्वस था पर बाद में सब सही हो गया।

बिजनेस

सोने का भाव 91,200 रुपए, चांदी 98,550 रुपए के करीब

सोने ने बनाया नया रिकॉर्ड, चांदी की चमक पड़ी फीकी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से जबाबी शुल्क लगाने के कारण वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की शुरुआत जोरदार तेजी के साथ हुई और सोना सार्वजनिक उच्च स्तर पहुंच गया। हालांकि बाद में चांदी के भाव तेजी से लुढ़क गए और सोने की तेजी भी काफी कम हो गई। घरेलू बाजार में भी गुरुवार को सोना तेजी के साथ खुलने के बाद सार्वजनिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। चांदी की शुरुआत नरमी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव 91,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे, जबकि चांदी के भाव 98,550 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 502 रुपये की तेजी के साथ 91,230 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 90,728 रुपये था। इस समय यह 558 रुपये की तेजी के साथ 91,286 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 95 रुपये की गिरावट के साथ 99,658 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 99,753 रुपये था। इस समय यह 1,184 रुपये की गिरावट के साथ 98,569 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में चांदी के भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,196.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,166.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 7.30 डॉलर की तेजी के साथ 3,173.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव 3,196.60 डॉलर के भाव पर सार्वजनिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 34.95 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 34.65 डॉलर था। इस समय यह 0.72 डॉलर की गिरावट के साथ 33.92 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

भारत के कृषि निर्यात पर अमेरिकी शुल्क का कम होगा असर:अर्थशास्त्री

■ भारत इस मुश्किल समय में भी अच्छे रिश्ते बनाए रखने की क्षमता रखता है

नई दिल्ली, एजेंसी

कृषि अर्थशास्त्री बताते हैं कि भारत को अमेरिका के नए शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उनके अनुसार भारत इस मुश्किल समय में भी अच्छे रिश्ते बनाए रखने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि भारत को अपने प्रतिस्पर्धियों के साथ सापेक्ष शुल्क वृद्धि को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि अमेरिकी शुल्क का सबसे बड़ा प्रभाव समुद्री खाद्य और चावल के निर्यात पर होगा, लेकिन यह भारत के लिए कुछ मुश्किलें भी लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि भारत को उच्च शुल्कों के साथ भी वियतनाम और थाइलैंड के मुकाबले बेहतर स्थिति में रहने का मौका है। चीन पर 34 प्रतिशत और अन्य प्रतिस्पर्धियों पर 30 - 46 प्रतिशत तक के शुल्क हैं, जिससे भारतीय निर्यातकों को यह अंतर दर्जनों लाभ मिल रहा है। यहां तक कि सुरमा के निर्यात के मामले में भी भारत के तुलनात्मक शुल्क लाभ भारत को अच्छे राजनीतिक इकाई में रखता है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत उच्च शुल्क वाले प्रतिस्पर्धियों द्वारा खाली किए गए स्थानों में बाजार हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। भारत को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाने के लिए, बेहतर नीतियों और अर्थव्यवस्था के साथ कृषि क्षेत्र में नए उद्यमों की आवश्यकता है। भारत को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, लेकिन आगे बढ़ने के लिए भारत को अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्तरदायित्वपूर्ण नीतियों को अमल में लाना होगा।

मारुति सुजुकी की गाड़ियों के 62,000 तक बढे भाव

मुंबई। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने घोषणा की कि वह 8 अप्रैल से अपनी विभिन्न कारों की कीमतों में 2,500 से 62,000 रुपए तक बढ़ाएगी। कंपनी ने बताया कि यह बढ़ोतरी बढ़ती इनपुट लागत, संचालन खर्च, नियामक बदलाव और फीचर्स के अपग्रेड के कारण की जा रही है। हालांकि, कंपनी लागत को कम करने और ग्राहकों पर कम असर डालने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन बढ़ती लागत का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डालना आवश्यक हो गया है। इन वाहनों के बढ़ सकते हैं भाव- कॉम्पैक्ट एसयूवी फ्रोंक्स की कीमत में 2,500 की बढ़ोतरी, डिजायर टूर एस की कीमत 3,000 बढ़ेगी। एमपीवी एक्सएल6 और एर्टिगा की कीमत 12,500 बढ़ेगी। वेगन आर की कीमत 14,000, ईको वैन की कीमत में 22,500 का इजाफा और एसयूवी ग्रेंडविटारा की कीमत 62,000 तक बढ़ेगी।

सेंसेक्स 322 अंक गिरकर 76,295 पर बंद निफ्टी 82 अंक फिसलकर 23,250 पर आया

टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयर 4 प्रतिशत टूटे

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 3 अप्रैल को गिरावट रही। सेंसेक्स 322 अंक की गिरावट के साथ 76,295 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 82 अंक की गिरावट रही, ये 23,250 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयर में से 18 में गिरावट और 12 में तेजी रही। आज IT, ऑटो और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। TCS, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा के शेयर करीब 4प्रतिशत टूटे। वहीं पावर और फार्मा के शेयर में बढ़त रही। एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 2.77प्रतिशत, चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.24प्रतिशत और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 1.52प्रतिशत की गिरावट रही। 2 अप्रैल को अमेरिका का डाओ जोंस 0.56प्रतिशत बढ़कर 42,225 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट में 0.87प्रतिशत की तेजी रही, जबकि S&P 500 इंडेक्स 0.67प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। 2 अप्रैल को विदेशी निवेशकों ने 1,538 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों ने 2,808 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। अमेरिका ने भारत पर 26प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। भारत के अलावा चीन पर 34प्रतिशत, यूरोपीय यूनियन पर 20प्रतिशत, साउथ कोरिया पर 25प्रतिशत, जापान पर 24प्रतिशत, वियतनाम पर 46प्रतिशत और ताइवान पर 32प्रतिशत टैरिफ लगेगा। फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स लगातार भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। यह बिकवाली बाजार में दबाव बढ़ाने का एक प्रमुख कारण हो सकती है, खासकर अगर निवेशक अन्य बाजारों की ओर रुख कर रहे हों।

वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका और अमेरिकी GDP के 2025 की पहली तिमाही में 2.8प्रतिशत तक गिरने के अनुमान से निवेशकों का भरोसा कम हुआ है। इससे स्टॉक मार्केट में अस्थिरता बढ़ रही है। कल यानी 2 अप्रैल को शेयर बाजार में बढ़त रही थी। सेंसेक्स 592 अंक चढ़कर 76,617 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में 166 अंक की बढ़त रही, ये 23,332 के स्तर पर बंद हुआ था।

रुपया 26 पैसे टूटकर 85.78 प्रति डॉलर पर पहुंचा

■ रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.52 पर बंद हुआ था

मुंबई, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ की घोषणा के बाद गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 26 पैसे टूटकर 85.78 प्रति डॉलर पर आ गया। ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए उच्च शुल्कों का मुकाबला करने के लिए करीब 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। उन्होंने भारत पर 27 प्रतिशत जवाबी शुल्क की घोषणा करते हुए कहा कि अमेरिकी वस्तुओं पर भारत उच्च आयात शुल्क वसूलता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ट्रंप के जवाबी शुल्क ने बाजार में हलचल मचा दी और निवेशकों ने सुरक्षित पनाहगाह की तलाश शुरू कर दी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.77 पर खुला। फिर लुढ़कर 85.78 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 26 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.52 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.06 पर रहा।

देश के कई शहरों में महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल

■ ब्रेंट क्रूड का भाव करीब डेढ़ डॉलर टूटकर 73.22 डॉलर प्रति बैरल हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत सहित दुनिया के करीब 50 देशों पर टैरिफ लगा दिया है। इसका असर वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों पर भी देखा गया और क्रूड के भाव में गिरावट आई है। वहीं सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर इसका उल्टा असर दिख रहा और देश के कई शहरों में गुरुवार को तेल के दाम बढ़ गए हैं। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे महंगा होकर 94.98 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 30 पैसे चढ़ा और 88.13 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 26 पैसे गिरकर 94.39 रुपये और डीजल 30 पैसे टूटकर 87.45 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 22 पैसे बढ़त के साथ 105.58 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 20 पैसे महंगा होकर 92.94 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब डेढ़ डॉलर टूटकर 73.22 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का रेट भी बड़ी गिरावट के साथ 69.90 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

न्यूज इन शॉर्ट

ब्लैक स्पॉट पर बनाएं डबल ब्रेकर- कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर डॉ केदार सिंह की उपस्थिति में आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग एवं राजकीय राजमार्ग में बने ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर लें। उन्होंने निर्देश दिए कि चिन्हित ब्लैक स्पॉट में दोनों तरफ से डबल ब्रेकर बनाना सुनिश्चित करें। जिससे आने वाली गाड़ियों की गति धीमी हो सके एवं दुर्घटना न होने पाए। कलेक्टर ने कहा कि ब्लैक स्पॉट पर 'दिशा सूचक एवं कृपया धीरे चलें' का लिखित साइन बोर्ड भी लगाएं जिससे आने वाले गाड़ी के वाहन चालक को दिशा एवं ब्लैक स्पॉट की जानकारी मिल सके।कलेक्टर ने कहा कि ऐसी सड़के जो गांव से निकलकर सीधे हाईवे रोड में मिलती है एवं उसे मिलने वाली सड़क के दोनों साईड दुकान खोल दी जाती हैं जिस कारण से आने वाली गाड़ियां दिखाई नहीं देती हैं एवं दुर्घटना का कारण बनती हैं उन्होंने कहा कि ऐसी जगह पर बनी दुकानों को तत्काल हटाना सुनिश्चित करें।इसके साथ ही बैठक में कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा को लेकर अन्य विषयों पर भी चर्चा की एवं आवश्यक निर्देश दिए।बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अरविंद शाह, डीएसपी यातायात विभाग श्री मुकेश दिक्षित सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीवार लेखन कर बताया जा रहा जल का महत्व

शहडोल। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहडोल जिले में 30 जून 2025 तक जल को सहेजने, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के समस्त जनपद पंचायत के ग्राम पंचायतो में जल गंगा संवर्धन अभियान में लोगों ने उत्साह एवं उमंग के साथ जल का महत्व समझते हुए श्रमदान कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं और जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संदेश दे रहे हैं। इसी कड़ी में आज जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत करूआ में जन अभियान परिषद के सदस्यों द्वारा दीवार लेखन कर जल का महत्व बताया गया।

विश्वविद्यालय में सरगम क्लब द्वारा लोकोत्सव का भव्य आयोजन

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में सरगम क्लब द्वारा लोकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने लोकगीतों की मस्ती में डूबकर इस समारोह का आनंद लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी का जन्मदिन भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक होली गीतों, लोक गीतों भजन का संगीत विभाग के सहयोग से सम्पन्न किया गया। सरगम क्लब के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत नृत्य, संगीत और नाट्य कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया।इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने सभी को लोकोत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए कहा, ﬂ लोक के उत्सव खुशियों, सौहार्द के पर्व है। यह हमें प्रेम और सद्भाव से रहने की प्रेरणा देता है। विश्वविद्यालय परिवार को मेरी ओर से हार्दिक बधाई।कुलसचिव प्रो आशीष तिवारी जी ने लोकोत्सव की बधाई देते हुए कहा सरगम क्लब छात्रों के बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के लिए जो कार्य संगीत के माध्यम से कर रहा है यह सराहनीय है।इस कार्यक्रम में प्राध्यापको ने भी अपने लोग रंग के गीतों को प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम विश्वविद्यालय के शहडोल परिसर प्रभारी प्रो. गीता सराफ़, प्रो सुनीता बाथरे, प्रो प्रवीण कुमार शर्मा, प्रो मनीषा तिवारी, प्रो. महेंद्र किशोर भटनागर, डॉ. एच.एल. मरावी, डॉ. गंगाधर ढोके, डॉ. रचना दुबे, डॉ. प्रज्ञा यादव,डॉ रजनी गौतम डॉ. पूर्णिमा शर्मा, डॉ. मुनीश नेगी, डॉ. सौरभ शिवा तथा विश्वविद्यालय के अन्य सभी प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आदर्श तिवारी ने किया।

58 लीटर से अधिक अग्रेजी शराब जप्त

शहडोल। ब्यौहारी पुलिस को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम चरका मे पंकज कुमार कोल अपने घर पर अंग्रेजी शराब भारी मात्रा मे बिक्री करने हेतु छिपा कर रखा है मुखबिर सूचना के तस्दीक हेतु रवाना होकर संदेही पंकज कुमार कोल के घर ग्राम चरका पहुंचे जहां पंकज कोल पुलिस को देखकर अंधेरा का फ़ायदा उठाकर भाग गया। घर की तलाशी लेने पर आरोपी के घर से अंग्रेजी शराब बैगपाइपर के 96 पाव, 8च्ड के 28 पाव तथा सफेद प्लेन देशी मदिरा 200 पाव कुल 58 लीटर अंग्रजी शराब कीमत करीब 50,000 रू को जप्त कर आरोपी पंकज कुमार कोल पिता रामलखन कोल उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम चरका के विरूद्ध आबकारी एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। आरोपी पंकज कुमार कोल मौके फ़रार है।

अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आये २५७ खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का कर रहे प्रदर्शन

शतरंज, दिमाग का खेल रणनीतियां बनाने में निभाता है अहम भूमिका- कलेक्टर

विजय मत, शहडोल।

संभागीय मुख्यालय शहडोल के श्रेयांश रिसॉर्ट में 2 अप्रैल से 6 अप्रैल तक आयोजित किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय शतरंज रेटिंग टूर्नामेंट में भाग ले रहे शतरंज खिलाड़ियों को कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने संबोधित किया। कलेक्टर ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज का खेल बौद्धिक एवं दिमागी खेल है जबकि अन्य खेल शारीरिक व ताकत के होते है। उन्होंने कहा कि शतरंज एक ऐसा खेल है जो दिमाग की शक्ति और सोच की गहराई को भी परखता है। यह एक मानसिक चुनौती है जो खिलाड़ियों को अपनी सोच और रणनीति को विकसित करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि शतरंज खेलने से न केवल दिमाग की शक्ति बढ़ती है, बल्कि यह आत्मविश्वास और संकल्प शक्ति को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि शतरंज के खिलाड़ी अपने दिमाग को खेल तक ही सीमित न रखें बल्कि अपने दिमाग का उपयोग देश के विकास में भी अपना योगदान देकर करें। उन्होंने कहा कि शतरंज खेल के खिलाड़ी अपने दिमाग से ज्यादा दूसरे के दिमाग को समझते हैं।उन्होंने कहा कि शहडोल जिले के युवा खेल के क्षेत्र में ज्यादा रुचि रखते हैं और अन्य राज्यों से आए खिलाड़ी शहडोल के खिलाड़ियों को कुछ जरूर सिखाए। साथ ही कलेक्टर ने शंतरज खिलाड़ियो से चर्चा भी की तथा खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

इस अवसर पर जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष श्री आर. एस. मिश्रा ने बताया कि चेस फॉर एवरीवन ओपन इंटरनेशनल रेटिंग टूर्नामेंट का आयोजन 2 अप्रैल से 6 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जा रहा है जिसमें 9 राज्यों से 257 खिलाड़ी सम्मिलित हैं जिसमें शहडोल जिले के 140 खिलाड़ी शामिल है। इस अवसर पर सहायक संचालक खेल श्री रईस अहमद, जिला शतरंज संघ के सचिव श्री विकास खरिया, श्री संजीव गुप्ता, अमरजीत बग्गा, श्री मनीष सोनी सहित शतरंज खिलाड़ी उपस्थित थे।

व्हीलचेयर पर विकलांग बच्चा भी खेल रहा शतरंज

इस शतरंज प्रतियोगिता में कटनी का 12 वर्षी व्हीलचेयर खिलाड़ी अभिजीत जैन 90त्न विकलांग है फिर भी शहडोल आकर इतने बैठे टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहा है।

समाज सेवी विजय दुबे ने किया टूर्नामेंट का शुभारंभ

3 अप्रैल को शतरंज प्रतियोगिता के दूसरे दिन के टूर्नामेंट का शुभारंभ शहडोल के समाजसेवी विजय दुबे द्वारा किया गया। इस मौके पर श्री दुबे ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

कॉमनवेल्थ एवं एशियाड में सिल्वर मेडल जीत चुके खिलाड़ी की डायलिसिस से ग्रसित खिलाड़ी के साथ चल रहा मैच

वर्ष 2008 में कॉमनवेल्थ एवं वर्ष 2012 में एशियाड मैं भाग ले चुके और दिसंबर 2024 में श्रीलंका में सिल्वर मेडल जीत चुके झांसी निवासी रामकृष्ण गुप्ता 85 वर्ष शहडोल के डायलिसिस मैं चल रहे एवं अस्थमेटिक बीमारी से ग्रस्त 57 वर्षीय उदय सिंह खटीक के साथ मैच खेल रहे हैं।

80 वर्षीय प्रकाश चंद सराफ की छत्तीसगढ़ के 14 साल के जूनियर खिलाड़ी से टक्कर

शहडोल में चल रहा है अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट में शेड्यूल के 80 वर्ष की प्रकाश चंद्र सराफ की टक्कर छत्तीसगढ़ के जूनियर खिलाड़ी 14 वर्षी अहिलान राय से हो रही है। यह सभी इस टूर्नामेंट के आकर्षण के खास केंद्र बने हुए हैं।

मनमानी: प्राइवेट स्कूलों में चल रहीं निजी प्रकाशकों की पुस्तकें

केंद्रीय माध्यमिक बोर्ड के पत्र से बच रहे, बच्चों के बस्तों का बोझ बढ़ा, लुट रहे अभिभावक

विजय मत, शहडोल।

जिला मुख्यालय के प्राइवेट स्कूल निजी प्रकाशकों की पुस्तकें चला रहे हैं। स्कूलों की मनमानी से अभिभावकों की जेब कट रहीं हैं और बच्चों पर बस्ते का बोझ बढ़ रहा है। इसको लेकर प्रशासन बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है। पुस्तक मेले जैसे आयोजन भी नहीं किए जा रहे हैं। जिससे अभिभावकों को मनमाने दामों से राहत मिल सके। जानकारी के मुताबिक 1 अप्रैल से नया शिक्षण सत्र शुरू हो गया है। इसके साथ ही केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त करने वाले प्राइवेट स्कूलों मनमानी शुरू हो गई है। स्कूल संचालकों के द्वारा एनसीईआरटी, एससीईआरटी की पुस्तकों के साथ

निजी प्रकाशकों की मनमानी पुस्तकें की सूची स्कूलों में चस्पा कर दी है।

अभिभावकों के कट रही जेब

बता दें कि कक्षा 1 से लेकर 5 के बच्चों की पुस्तकें 4 से 5 हजार रूपये की आ रही हैं। जिससे अभिभावकों के जेब कट रही हैं। वहीं बच्चों के बस्ते का बोझ बढ़ जाने से बैग पॉलिसी का भी मजाक उड़ाया जा रहा है। प्राइवेट स्कूल जो निजी प्रकाशकों की पुस्तकें उपयोग कर रहे है, वह काफी महंगी और कठिन विषय हैं, जो कक्षा 1 से 8 के बच्चों के समझ के बाहर हैं। सत्र शुरू होने के साथ ही कमीशन के लिए प्राइवेट स्कूलों में पुस्तकें ड्रेस और अन्य सामग्री में अभिभावकों के साथ मनमानी की जा रही है।

निर्देश तक सिमटी कार्रवाई

जिला शिक्षा विभाग को अभिभावकों ने शिकायत कर पुस्तकों में प्राइवेट स्कूलों मनमानी के आरोप लगाए हैं, इसके बाद विभाग के द्वारा कागजी खानापूर्ति करते हुए सभी स्कूलों को निर्देश जारी किए गए हैं कि बैग पॉलिसी और मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) का पालन किया जाए लेकिन स्कूल विभाग के निर्देशों को हवा में उड़ा रहे हैं और मनमानी कर रहे हैं।

पुस्तक मेले की है जरूरत

मध्य प्रदेश के अनेक जिलों में जिला प्रशासन के द्वारा पुस्तक मेले का आयोजन कर कम दर में अभिभावकों को पुस्तके उपलब्ध कराई गई हैं, लेकिन शहडोल जिला प्रशासन को अभिभावकों के साथ हो रही लूट की चिंता नहीं हैं। पुस्तक विक्रेता एमआरपी में पुस्तकें बेच रहे हैं। जिससे अभिभावकों से साथ लूट हो रही है। लेकिन प्रशासन कोई भी कार्रवाई या जांच नहीं करा रहा है।

ग्राम पंचायत पड़मनिया में किया गया तालाब जीर्णोद्धार का कार्य

विजय मत, शहडोल।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहडोल जिले में 30 जून 2025 तक जल को सहेजने, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के समस्त जनपद पंचायत के ग्राम पंचायतो में जल गंगा संवर्धन अभियान में लोगों ने उत्साह एवं उमंग के साथ जल का महत्व समझते हुए श्रमदान कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। इसी कड़ी में आज विकासखंड गोहपारू के ग्राम पंचायत पड़मनिया में जन अभियान परिषद के सीएमसीएल के छात्रों एवं जन सहयोग से तालाब के जीर्णोंद्धार का कार्य किया गया तथा आम जन को जल संरक्षण एवं जल संवर्धन का संदेश भी दिया गया।

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने राखी बाई सिंह को सौंपा अनुकंपा नियुक्ति का आदेश

शहडोल। अतिरिक्त मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह ने राखी बाई सिंह पिता स्व. श्याम बहादुर सिंह निवासी ग्राम भागा पोस्ट लफदा तहसील गोहपारू जिला शहडोल को जनपद पंचायत गोहपारू की रिक्त ग्राम पंचायत दियापीपर में सचिव के पद पर नियमों के अनुसार अनुकंपा नियुक्ति का आदेश प्रदान किया।

ठेका समाप्त होने के बाद भी बस स्टैंड में जारी है बसों से अवैध बसूली

विजय मत, ब्यौहारी।

टेंडर समाप्त होने के बाद भी की जा रही बसूली। नगरपरिषद द्वारा वर्ष 2024-25 की बाजार बैठकी, लोडिंग अनलोडिंग और बसस्टैंड पार्किंग का ठेका नगरपरिषद द्वारा किसी पिंटू गुप्ता के नाम जारी हुआ था।जिसका टेंडर 31मार्च से समाप्त हो गया है। लेकिन ठेकेदार के गुर्गे अभी भी बसूली के काम में लगे हुए हैं। इसी बात को लेकर सीएमओ अरुण श्रीवास्तव और अध्यक्ष राजन गुप्ता के बीच जमकर कहासुनी हो गई। जिसके बाद सीएमओ अरुण श्रीवास्तव नगरपंचायत कार्यालय छोड़कर सीधे भोपाल रवाना हो गए। उनसे मोबाइल पर हुई बातचीत ÷उनका कहना था कि अध्यक्ष अपनी मनमानी करता है। सही बात कहो तो गाली गलौज और मारपीट पर उतारू हो जाता है। जबरिया गलत काम के लिए दबाव बनाया जाता है। मैं अभी भोपाल आया हूं और इसी तरफ से सीधे छतरपुर चला जाऊंगा। और अब कभी ब्योहारी नहीं आऊंगा।अध्यक्ष ने पहले भी इंजीनियर इंद्रेश यादव के साथ ऐसा ही बर्ताव किया था। मैं अब वहां काम नहीं कर सकता।

सूत्रों की मानें तो 31मार्च के बाद बसूली के टेंडर समाप्त हो जाने के बाद भी उसे जारी रखने को लेकर सीएमओ और परिषद अध्यक्ष के बीच हुई नोंकझोंक।

सबाल यह कि जब 31मार्च से बसूली का ठेका समाप्त हो गया तो अभी तक निरंतर बस स्टैंड में नगरपालिका के नाम पर बसों से पैसों की वसूली फेंटा नामदेव नामक व्यक्ति के द्वारा क्यों की जा रही है? पूर्व में भी इसके द्वारा नगरपरिषद के नाम पर ठेकेदार की बसूली बसों से की जाती थी। जो अभी भी लगातार जारी है।

बस स्टैंड के लोगों की माने तो अज्जू नामक व्यक्ति पुलिस के नाम पर और फेंटा नामक व्यक्ति नगर पालिका के नाम ठेकेदार का पैसा रोज सैकड़ों बसों से बसूलते है।यहां तो यह सब सालों से चल रहा है। लेकिन सरकार के नुमाइंदों को यह नहीं दिखता।

अव्यवस्था

बेहतर कनेक्टिविटी के लिए इंदिरा चौक से सड़क चौड़ीकरण कार्य आवश्यक, मरीज एवं लोग हो रहे परेशान

साल भर के भीतर ही मेडिकल कॉलेज पहुंच मार्ग हो गया जर्जर

विजय मत, शहडोल।

शासकीय मेडिकल कॉलेज पहुंच मार्ग एक बार फिर जर्जर की स्थिति में नजर आ रहा है। एक साल पहले यहां सड़क निर्माण कराया गया था परंतु वह सड़क निर्माण कार्य घटिया स्तर पर होने के कारण उन्हें जगह गढ्ढो की भरमार हो गई है।? बता दे कि शासकीय मेडिकल कॉलेज की दूरी संभागीय मुख्यालय से 3-4 किलोमीटर ही है, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए उत्तम सड़क का अभाव है। मौजूदा समय पर बस स्टैंड से कुदरी रोड मेडिकल कॉलेज पहुंच मार्ग के रूप में है लेकिन उसकी संकीर्णता और जर्जर हालत बड़ी बाधा बनी हुई है।

मार्ग के जीर्णोद्धार की लगातार हो रहा मांग

बता दें कि मरीजों को लेकर चलने वाले एम्बुलेंस और स्टॉफ के वाहन आए दिन हादसे के शिकार होते हैं अथवा समय पर पहुंचने में परेशानी होती है। इस परेशानी को देखते हुए मेडिकल कॉलेज पहुंच मार्ग के

जीर्णोद्धार की लगातार मांग को देखते हुए गत दिवस प्रवास पर पहुंचे प्रभारी मंत्री व उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल द्वारा मेडिकल कॉलेज रोड का चौड़ीकरण कर व्यवस्थित मार्ग निर्माण के निर्देश दिए गए।

इंदिरा चौक से लेकर बस स्टैंड रोड को व्यवस्थित करने की आवश्यकता

अब इंदिरा चौक से लेकर बस स्टैंड रोड को व्यवस्थित करने की जरूरत महसूस की जा रही है, क्योंकि मेडिकल कॉलेज तक बेहतर कनेक्टिविटी के लिए इस मार्ग का जीर्णोद्धार आवश्यक है। मांग भी की जा रही कि जर्जर बस स्टैंड मार्ग की हालत में सुधार किया जाए। इसका भी निर्माण लगभग डेढ़ वर्ष पहले कराया गया था परंतु यहां भी गड्ढे गड्ढे हो गए हैं। आने वाले बरसात के टाइम में यह गड्ढे भव्य रूप ले लेंगे तथा लोगों को आने जाने में नहीं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा परंतु जिम्मेदार अभी भी लापरवाह बने हुए हैं।

मेडिकल कॉलेज मार्ग को बेहतर एवं व्यवस्थित करने की आवश्यकता

शहडोल नगर के लोगों का कहना है कि मेडिकल कॉलेज शहडोल संभाग का सबसे बड़ा चिकित्सा का केंद्र है। परंतु यहां का मार्ग बहुत ही संकीर्ण एवं अवस्थित है, इसे व्यवस्थित करने की आवश्यकता है, जिसे लोगों एवं मरीज को बेहतर सुविधा प्राप्त हो सके। यहां का मार्ग की चौड़ाई बहुत ही काम एवं संकीर्ण है, जिससे एक साथ दो गाड़ियों का आना-जाना मुश्किल से हो पता है। जिम्मेदारों को इसमें ध्यान देने की आवश्यकता है।

साल भर भी नहीं टिका सड़क

नगरपालिका द्वारा इंदिरा चौक से बस स्टैंड तक रोड मेडिकल कॉलेज के कनेक्टिविटी के लिए सबसे बेहतर मार्क समझा जाता है, जिससे शहर के लोग मेडिकल कॉलेज का आवागमन करते हैं, इस रोड का नवीनीकरण एक साल पहले ही कराया गया था। लेकिन वर्तमान में उसकी हालत जर्जर हो चली है। करीब 8 सौ मीटर की सड़क में दर्जनों जगहों पर गड्ढे हो चुके हैं। डामर उखड़ चुकी है। जिसके कारण आवागमन में परेशानी हो रही है।

अतिक्रमण भी बड़ी परेशानी

विगत वर्ष नगरपालिका द्वारा बस स्टैंड रोड के चौड़ीकरण एवं नाली निर्माण का कार्य शुरु कराया गया था, लेकिन अतिक्रमण के चलते कार्य बीच में ही रुक गया। बताते हैं कि अतिक्रमण हटाए बिना ही कार्य शुरु करा दिया गया, जिसे बीच में बंद करना पड़ा। नागरिकों की मांग है कि बस स्टैंड तक बेहतर सड़क बनाई जाए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि., प्लॉट नं. 18, इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर म.प्र. से मुद्रित एवं विजय मत भवन, गायत्री मंदिर रोड, वार्ड नं. 13, शहडोल, म.प्र. से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2018/76119, e-mail: vijaymat.sdl@gmail.com